भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

27 नवम्बर - 3 दिसम्बर 2024

jagrukjanta.net

मार्गशीर्ष, पक्ष - कृष्ण, तिथि - द्वादशी, संवत 2081 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-10, अंक-39, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

समाज और जीवन में शांति के लिए संस्कार होना बहुत जरूरी है! (1)

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

जीवन में संस्कार का बहुत महत्व है। अगर संस्कार नहीं है तो समाज में जीना मुश्किल हो जाता है। मां-बाप बचपन से ही बच्चे में संस्कार डालना शुरू करते हैं। मां-बाप के बाद में विद्यालय में अध्यापक संस्कार सिखाते हैं। उठने-बैठने, बोलने, चलने, आने-जाने, खाने-पीने, रोने-हंसने कहने का मतलब है कि हमारी संस्कृति में संस्कार ही जीवन है। अगर संस्कार नहीं है तो वह जीवन पशुवत ही रहेगा। भूख लगी तो खा लिया। जब, जहां और जैसा मिला खा लिया। न बैठने के संस्कार न उठने के संस्कार ये होते हैं पशुवत संस्कार। इनसे परे मनुष्य का जीवन संस्कारों से बंधा हुआ है। भारतीय सनातन संस्कृति में तो सोलह संस्कार बताए गए हैं। फिलहाल हम यहां उन 16 संस्कारों की बात नहीं कर रहे हैं। हम सिर्फ कुछ मर्यादित संस्कारों की बात कर रहे हैं। आज कल कुछ भोंडा पहनावा चल रहा है जिसके बारे में हमारे पाठकों से कहने का मन कर रहा है। हम सार्वजनिक जीवन जी रहे हैं जिसमें समाज और संस्कृति का मेल होता है। जिस प्रकार हम सड़क पर मनचाही गति से वाहन नहीं चला सकते, क्योंकि सड़क पर और भी तो लोग चलते हैं उनका भी ध्यान रखना पड़ता है। वरना तेज गति से दुर्घटना होने की संभावना रहती है। एक वाहनचालक तेज गति से चला रहा है जबकि दूसरा संतुलित गति से। लेकिन अगर दोनों टकरा गए तो संतुलित गति से चलने वाला भी दुर्घटनाग्रस्त होगा ही। जबकि उसकी गलती नहीं है। फिर भी गलती कोई करे और भुगते कोई। इसी प्रकार खुले में सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी महिला को भोंडे वस्त्र या अद्‌र्धनग्न टाइप के वस्त्र नहीं पहनना चाहिए। जो आजकल प्रातःकालीन भ्रमण के समय और कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में देखे जा सकते हैं। हां एकांत में अपने घर में कैसे भी वस्त्र पहनें। भोजन भी अगर हम अकेले खाएंगे तब तो मनचाहा बन सकता है मगर जब सारे परिवार के लिए या फिर सामूहिक कार्यक्रम में भोजन बनेगा तब स्वयं की रुचि नहीं चलेगी। सबको ध्यान में रखकर ही निर्णय लिया जाएगा। लड़कियों और महिलाओं के अर्द्धनग्न वस्त्र पहनने का मुद्‌दा उठाना उतना ही जरूरी है जितना शराब पीकर लड़कों का गाड़ी चलाने का मुद्दा है। अखबार और टीवी चैनलों पर मनचले लोगों के बारे में दुःखदायी समाचार सुनने और देखने को मिलते हैं। उनके पकड़े जाने पर सजा भी होती है। मगर समाज के ऐसे असामाजिक लोगों पर इन बातों का कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा है। ऐसे में अपने-आपको ही समझना होगा। वरना ये छेड़छाड़, बलात्कार आदि के मामलों में रोक लगना असंभव सा नजर आता है। (क्रमशः)

shivdayalmishra@gmail.com

राज्य सभा की छह सीटों के लिये उपचुनाव 20 दिसंबर को

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने राज्य सभा की छह रिक्त सीटों के लिये उपचुनाव 20 दिसंबर को कराने की घोषणा की है और इसके लिए अधिसूचना तीन दिसंबर को जारी की जायेगी। आयोग की ओर से मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इनमें आन्ध्र प्रदेश से तीन सीटें, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और हरियाणा से एक-एक सीट के चुनाव कराये जाने हैं।

चुनाव आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार, इन छह सीटों पर उपचुनाव के लिये अधिसूचना आगामी तीन दिसंबर को जारी की जाएगी और उसी के साथ नामांकन भरने की प्रक्रिया प्रारंभ होगी। नामांकन 10 दिसंबर तक दाखिल किये जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 11 दिसंबर को की जाएगी और 13 दिसंबर तक वापस लिये जा सकेंगे। आवश्यकता पड़ने पर 20 दिसंबर को सुबह नौ से शाम चार बजे तक मतदान कराया जाएगा। मतगणना उसी दिन, पांच बजे करायी जाएगी। उप-चुनाव की पूरी प्रक्रिया 24 दिसंबर तक संपन्न हो जाएगी।

26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा द्वारा संविधान अपनाए जाने की 75वीं वर्षगांठ

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जारी किया ₹75 का सिक्का

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। देश के संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद में 75 रुपये का एक स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी किया। नई दिल्ली में संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में हुए समारोह के दौरान यह ऐतिहासिक सिक्का जारी किया गया। संविधान दिवस पर संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि संविधान एक जीवंत और प्रगतिशील दस्तावेज है। राष्ट्रपति ने संविधान की पहली संस्कृत प्रति और उसके मैथिली संस्करण का भी अनावरण किया।

भारतीयों से मौलिक कर्तव्यों का पालन करने की अपील

खबर के मुताबिक, सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 75 साल पहले संविधान को अपनाए जाने पर विचार किया और इसे ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने देश के आधारभूत पाठ को आकार देने में संविधान सभा की 15 महिला सदस्यों के योगदान पर भी जोर दिया। राष्ट्रपति ने सभी भारतीयों से संवैधानिक आदर्शों को अपने आचरण में आत्मसात करने और अपने मौलिक कर्तव्यों का पालन करने और साल 2047 तक विकसित भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में काम करने का आग्रह किया।

संविधान हमारे देश का सबसे पवित्र ग्रंथ

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि संविधान दिवस के पावन अवसर पर आप सभी के बीच आकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। संविधान हमारे देश का सबसे पवित्र ग्रंथ है। हमारा संविधान, हमारे लोकतांत्रिक गणतंत्र की सुदृढ़ आधारशिला है। हमारा संविधान, हमारे सामूहिक और व्यक्तिगत स्वाभिमान को सुनिश्चित करता है। हमारी संविधान-सभा में हमारे देश की विविधता को अभिव्यक्ति मिली थी। संविधान-सभा में सभी प्रान्तों और क्षेत्रों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति से, अखिल भारतीय चेतना को स्वर मिला था। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि संविधान की भावना के मुताबिक, कार्यपालिका, विधायिका, और न्यायपालिका का यह दायित्व है कि वे सामान्य लोगों के जीवन को सुगम बनाने के लिए मिलजुल कर काम करें। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान, सरकार ने समाज के सभी वर्गों, विशेषकर कमजोर वर्गों के लोगों के विकास के लिए अनेक कदम उठाए हैं।

यूपी में गिरा अंग्रेजों के जमाने का पुल, गंगा नदी में समाया

» **जागरूक जनता @ उन्नाव।** यूपी के उन्नाव जिले में मंगलवार की भोर में अचानक एक पुल गिर गया। बताया जा रहा है कि ये पुल अंग्रेजों के जमाने में बना था। हालांकि इस पुल पर कई सालों से यातायात को बंद कर दिया गया था, जिससे कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। ब्रिटिश कालीन इस पुल को चार साल पहले ही बंद कर दिया गया था। ये पुल कानपुर और उन्नाव को जोड़ने के लिए गंगा नदी पर बनाया गया था। मंगलवार तड़के पुल का एक हिस्सा अचानक गंगा नदी में गिर गया। इससे कोई जनहानि नहीं हुई है।

जाति जनगणना से सबकी भागीदारी और मतपत्रों से मतदान जरूरी-खरगे-

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। कांग्रेस ने संविधान दिवस के अवसर पर देश में जातीय जनगणना और आनुपातिक आरक्षण के साथ-साथ मतदान प्रणाली में मतपत्र की वापसी को आवश्यक बताते हुए कहा है कि इससे लोगों को अधिकार मिलेंगे और लोकतंत्र मजबूत होगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को यहां तालकटोरा स्टेडियम में "संविधान रक्षक अभियान-मेरी जान मेरा अभियान" कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सबको उनका अधिकार दिलाकर बहुसंख्यकों को न्याय देने के लिए जाति जनगणना आवश्यक है और इसके लिए कांग्रेस का संघर्ष तब तक जारी रहेगा, जब तक संसद में इसे पारित नहीं कराया जाता है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ चुनिंदा उद्योगपतियों को मजबूत बनाया है और उनकी संपत्ति को कई गुना बढ़ाया है। देश में सबको समान अवसर मिले, जिसकी जितनी भागीदारी है, उसको उतना हक मिले, इसके लिए जाति गणना आवश्यक है और कांग्रेस के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार यह काम शुरू कर चुकी है।

एकनाथ शिंदे ने राज्यपाल को सौंपा इस्तीफा, फडणवीस और अजित पवार भी रहे मौजूद

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बाद अब नई सरकार बनाने की तैयारी चल रही है। इस बीच आज सीएम एकनाथ शिंदे 11 बजे तक राजभवन पहुंचे। यहां एकनाथ शिंदे ने मुंबई के राजभवन में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को सीएम पद से अपना इस्तीफा सौंप दिया। हालांकि राज्यपाल ने अगला सीएम चुने जाने तक उन्हें ही कार्यवाहक मुख्यमंत्री के तौर पर नियुक्त किया है। इस मौके पर एकनाथ शिंदे के साथ अजित पवार और देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद रहे। बता दें कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बीजेपी, शिवसेना और एनसीपी वाला महायुति गठबंधन विजयी हुआ है। हालांकि महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री पद पर अभी भी नाम का फैसला नहीं हुआ है। फिलहाल अगले सीएम के तौर पर देवेंद्र फडणवीस को प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

सीएम का नाम तय नहीं : फिलहाल, महाराष्ट्र का अगला सीएम कौन होगा, इसे लेकर मुंबई से दिल्ली तक हलचल तेज है। एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार दिल्ली पहुंचे और यहां बैठक हुई।

शशि रुइया के दूरदर्शी नेतृत्व ने भारतीय कारोबार परिदृश्य को बदला- मोदी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एस्सार समूह के सह-संस्थापक शशिकांत रुइया (शशि रुइया) के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि रुइया के दूरदर्शी नेतृत्व और उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने भारत के व्यापार परिदृश्य को बदल दिया। मोदी ने मंगलवार को सोशल नेटवर्किंग साइट 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, "शशिकांत रुइया जी उद्योग जगत में एक महान हस्ती थे। उनके दूरदर्शी नेतृत्व और उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने भारत के व्यापार परिदृश्य को बदल दिया। उन्होंने नवाचार और विकास के लिए उच्च मानक भी स्थापित किए। वे हमेशा विचारों से भरे रहते थे, हमेशा इस बात पर चर्चा करते थे कि हम अपने देश को कैसे बेहतर बना सकते हैं।" प्रधानमंत्री ने कहा, "शशि जी का निधन बेहद दुखद है। इस दुख की घड़ी में उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ओम शांति।"

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित | जागरूक जनता www.jagrukjanta.net | बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 फोन : 0141-3587886 | सम्पर्क करें | विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए 9928022718 jagrukjantanews@gmail.com | समाचार प्रकाशित करवाने के लिए 9829329070 jagrukjantanews@gmail.com

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर देखें
jagrukjanta.net

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को दिये सख्त निर्देश

भिक्षावृत्ति मुक्त जिला बनेगा जयपुर, अभियान के तहत होगा पुनर्वास

भिक्षावृति में लिप्त लोगों को रोजगार एवं बच्चों को शिक्षा से जोड़ा जाना हो सुनिश्चित

जयपुर की गौरवशाली छवि के साथ नहीं होगा किसी भी कीमत पर समझौता

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जिले को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने के लिए विभागीय अधिकारी आपसी सहयोग एवं समन्वय से हर संभव प्रयास करने के निर्देश दिये हैं। साथ ही उन्होंने भिक्षावृत्ति में लिप्त लोगों का प्रभावी पुनर्वास सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया ताकि ऐसे व्यक्ति भिक्षावृत्ति को छोड़कर अपने कौशल और मेहनत के दम पर सम्मानजनक जीवन शुरू करें।

जिला कलेक्टर ने कलक्ट्रेट सभागार में भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों के पुनर्वास को लेकर बैठक ली। जयपुर में आगामी 9 दिसंबर से 11 दिसंबर तक राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट का आयोजन होगा। इस विश्व स्तरीय आयोजन में जयपुर की गौरवशाली परंपरा एवं छवि धूमिल ना हो इसके लिए भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों का जल्द से जल्द पुनर्वास सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक में पुलिस एवं यातायात पुलिस के अधिकारियों को भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों की सूचना जिला प्रशासन एवं मानव सेवा संस्थान जयपुर द्वारा संचालित हेल्पलाइन नम्बर 9929902320 को देकर रेस्क्यू में सहयोग प्रदान करने साथ ही आपराधिक गतिविधियों में लिप्त भिखारियों एवं निर्धन व्यक्तियों के विरूद्ध निरोधात्मक एवं कठोर कानूनी कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया गया।

वहीं, नगर निगम के अधिकारियों को चिन्हित पुनर्वास गृहों की साफ-सफाई, शौचालयों की मरम्मत, पुनर्वास गृहों में भिखारियों के लिए आधारभूत सेवाओं की व्यवस्था करने, चिन्हित पुनर्वास गृहों को श्नी अन्नपूर्णा रसोई योजना से लिंक करते हुए योजना के माध्यम से भिखारियों के लिए पर्याप्त मात्रा में भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के साथ-साथ इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना में पंजीकृत कर उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने के निर्देश दिये।

चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों का निशुल्क कोरोना, टी.बी., एच.आई.वी एवं अन्य जांच कर उपचार करने, चिन्हित पुनर्वास गृहों में चिकित्सा एवं जांच सुविधा उपलब्ध करने प्रत्येक पुनर्वास गृह को निकटतम राजकीय चिकित्सालय से जोड़ते हुए भिखारियों की जांच एवं उपचार व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। बैठक में जिला बाल संरक्षण इकाई के अधिकारियों को भिक्षावृति में लिप्त बच्चों सूची बनाकर शिक्षा विभाग को उपलब्ध कराना, विभाग द्वारा संचालित बाल गृहों, निराश्रित गृहों में प्रवेश दिलाकर षिक्षा के अधिकार के तहत शिक्षा से जोड़ने के लिए स्थानीय विद्यालयों में प्रवेश दिलाने, बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश कर विभागीय गृहों में प्रवेश दिलवाने के निर्देश दिये गए। उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधिकारियों को पुलिस एवं स्वयं सेवी संस्थाओं एवं अन्य विभागों से समन्वय एवं सामंजस्य स्थापित करने, स्वयं सेवी संस्थाओं के माध्यम से भिक्षावृति में लिप्त व्यक्तियों को सर्वे उपरान्त चिन्हित कर पात्रता अनुसार बाल गृह, महिला गृह, मानसिक विमंदित गृह, वृद्धाश्रम अथवा पुनर्वास गृह आदि में प्रवेश दिलाकर देखभाल करवाने, स्वयं सेवी संस्थाओं के माध्यम से भिक्षावृति में लिप्त चिन्हित व्यक्तियों के आधार कार्ड/जनाधार कार्ड आदि तैयार कर प्राथमिकता से सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने के लिए निर्देश दिये गए।

जिला कलक्टर ने राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम के अधिकारियों को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा चिन्हित भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों की सूची के अनुसार 25 व्यक्तियों का एक बैच बनाकर आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने, प्रशिक्षित व्यक्तियों को विभागों द्वारा संचालित एवं बैंकों द्वारा उपलब्ध ऋण अथवा अनुदान एवं अन्य योजनाओं से जोडकर नियोजित करने के साथ-साथ फॉलो अप कार्यक्रम के द्वारा उनके पुनर्वास को सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गए।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर श्री मुकेश मूंड सहित नगर निगम, जयपुर विकास प्राधिकरण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, जिला बाल संरक्षण इकाई, बाल कल्याण समिति के पदाधिकारियों सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं मानव सेवा संस्थान, मेरी पहल संस्था, सक्षम सामाजिक उत्थान एवं विकास संस्थान, सुजस सांस्कृतिक सेवा संस्थान के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जागरूक खबरें

राजस्थान में 172 स्टेट टोल प्लाजा पर फास्टैग सुविधा शुरू

» जागरूक जनता @ जयपुर। राज्य सरकार ने प्रदेश के 186 टोल प्लाजा में से 172 पर फास्टैग सुविधा शुरू कर दी है। आगामी एक सप्ताह में 8 और टोल प्लाजा पर फास्टैग सुविधा शुरू होगी। इससे स्टेट हाइवे से गुजरने वाले वाहनों चालकों के समय में बचत होगी। वहीं, टोल वसूली में पारदर्शिता और राजस्व में वृद्धि होगी। सार्वजनिक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव प्रवीण गुप्ता ने बताया कि विभाग ने 131 टोल बूथों पर तो एक वर्ष से भी कम समय में फास्टैग इंस्टालेशन का काम किया है। एनएचएआई के अलावा 186 अन्य टोल प्लाजा संचालित हैं। आरएसआरडीसी के 107 टोल प्लाजा हैं, जिनमें से 103 टोल प्लाजा पर फास्टैग की सुविधा शुरू की जा चुकी है। शेष 4 पर एक सप्ताह में सुविधा शुरू होगी। राजस्थान राज्य सडक प्राधिकरण की ओर से संचालित 22 सडकों पर 40 टोल प्लाजा हैं, जिनमें से 36 टोल प्लाजा पर यह सुविधा उपलब्ध है और शेष 4 पर आगामी एक सप्ताह में फास्टैग सुविधा शुरू करवा दी जाएगी। वहीं, सार्वजनिक निर्माण विभाग की ओर से संचालित स्टेट बीओटी के तहत 8 टोल प्लाजा में से 2 पर फास्टैग की सुविधा शुरू की जा चुकी है। इसके अलावा रिडकोर द्वारा संचालित 13 सडकों पर 31 टोल प्लाजा हैं, जिनमें से सभी पर फास्टैग की सुविधा उपलब्ध है।

हाईटेक तरीके से होगा कचरा संग्रहण, शुरू हुआ पहला मैकेनाइज्ड ट्रांसफर स्टेशन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। ग्रेटर निगम की ओर से झालाना डूंगरी में मैकेनाइज्ड ट्रांसफर स्टेशन का महापौर सौम्या गुर्जर और आयुक्त रूकमणी रियाड़ ने उद्घाटन किया। इस ट्रांसफर स्टेशन में कचरा जमीन पर नहीं आएगा। हूपर से कचरा कन्वेयर बेल्ट मशीन पर डाला जाएगा। वहां कचरे की छंटनी होगी और उसके बाद कॉम्पेक्टर के जरिये कचरागाह तक पहुंचाया जाएगा। यह जयपुर का पहला कवर्ड और मैकेनाइज्ड ट्रांसफर स्टेशन है। महापौर ने कहा कि हर जोन में इस तरह के ट्रांसफर स्टेशन विकसित करने की योजना है। उन्होंने कहा कि यह राजस्थान का पहला कन्वेयर बेल्ट वाला एडवांस तकनीक का ट्रांसफर स्टेशन है। आयुक्त ने कहा कि शहर को और अधिक स्वच्छ, सुन्दर एवं पर्यावरण फ्रेंडली बनाने के लिए इसको विकसित किया गया है।

इस तरह हर रोज 100 टन कचरा अलग-अलग करके उसे हाइड्रोलिक प्रेशर मशीन से कम्प्रेस कर कंटेनर में भरा जाएगा। इसके लिए यहां 3 हुक लोडर मशीन और 6 कंटेनर हैं। इसे विकसित करने में 4.21 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। यहां 2 कॉम्पेक्शन मशीनें और इस ट्रांसफर स्टेशन की क्षमता 100 टन प्रतिदिन है।

गैराज शाखा अध्यक्ष नहीं पहुंचे

इस आयोजन से गैराज शाखा समिति की चेयरमैन विनोद चौधरी नजर नहीं आए। जब उनसे पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मुझे समय पर कार्यक्र म की जानकारी नहीं दी गई।

राजस्थान में 49 शहरी निकायों का बोर्ड भंग, प्रशासक को सौंपी कमान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के 49 शहरी निकायों का संचालन अब प्रशासक करेंगे। इन निकायों के बोर्ड का कार्यकाल सोमवार को खत्म हो गया। चुनाव नहीं होने के कारण स्वायत्त शासन विभाग ने यहां प्रशासक नियुक्त कर लिए। इनमें 5 नगर निगम, 18 नगर परिषद और 26 नगर पालिका है। नगर निगमों में जिला कलक्टर, परिषद में एडीएम, पालिकाओं में एसडीएम को जिम्मेदारी दी गई है। राज्य सरकार की मंशा एक राज्य-एक चुनाव की है, इसलिए स्वायत्त शासन विभाग ने विधि विभाग से राय मांगी हुई, लेकिन जवाब नहीं आया। इस कारण पिछले दिनों ही सरकार ने जिला कलक्टर को पत्र लिखकर चुनाव की तैयारी शुरू करने के निर्देश दिए। इसमें वार्ड गठन कर परिसीमन करने के दिए आदेश दिए गए। हालांकि, यह प्रक्रिया अगले वर्ष मार्च तक पूरी होगी, इसलिए प्रशासन उस समय तक तो काम करेंगे।

इन 49 निकायों का कार्यकाल खत्म

नगर निगम : अलवर, भरतपुर, पाली, बीकानेर, उदयपुर। **नगर परिषद :** ब्यावर, पुष्कर, टोंक, मकराना, चुरू, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, भिवाड़ी, सीकर, झुंझुनूं, जैसलमेर, बाड़मेर, बालोतरा,सिरोही, सुमेरपुर, जालोर, बांसवाड़ा, चितौड़गढ़। **नगर पालिका :** नसीराबाद, डीडवाना, राजगढ़, सूरतगढ़, थानागाजी, महुआ, नीमकाथाना, खाटूश्यामजी, बिसाऊ, पिलानी, फलौदी, माउंट आबू, पिण्डवाडा, शिवगंज, भीनमाल, कैथून, सांगोद, छबड़ा, मांगरोल, रूपवास, कानोड़, प्रतापपुरगढ़ी, निम्बाहेडा, रावतभाटा, नाथद्वारा, आमेट।

शुक्र, शनि और बृहस्पति ग्रह को रोमांचित हुए ग्रामवासी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग राजस्थान सरकार जयपुर के उपक्रम क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र एवं विज्ञान उद्यान द्वारा एस्ट्रोनाइट स्काई टूरिज्म कार्यक्रम के अंतर्गतस्टार गेजिंग (आकाश दर्शन) कार्यक्रम का आयोजन जमवारामगढ़ में किया गया। जिसमें आम जनों व ग्रामवासियों को शुक्र, शनि और बृहस्पति ग्रह को उच्च स्तरीय टेलीस्कोप से दिखाया गया। आमजनों को विज्ञान वार्ता गतिविधि के तहत रात्रि आकाश में दिखाई देने वाली राशियों, ग्रहों और नक्षत्रों को पहचानने की जानकारी विषय विशेषज्ञों प्रीति वैष्णव एवं गोविंद दाधीच द्वारा दी गई। पुराने समय में हम लोग रात्रि आकाश से दिशाओं की पहचान किस तरह की जाती थी, विषय विशेषज्ञों राहुल शर्मा द्वारा जयपुर से आए दर्शकों को समझाया गया। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के उपनिदेशक कैलाश मिश्रा ने बताया कि लगभग 200 ग्रामवासियों को उच्च क्षमता वाले टेलिस्कोप के माध्यम से निःशुल्क अवलोकन करवाया गया।

जगतपुरा में हरे कृष्ण मार्ग पर 6 एकड़ भूमि पर 300 करोड़ की लागत से होगा निर्माण

जयपुर में 300 करोड़ की लागत से बन रहा गुप्त वृंदावन धाम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

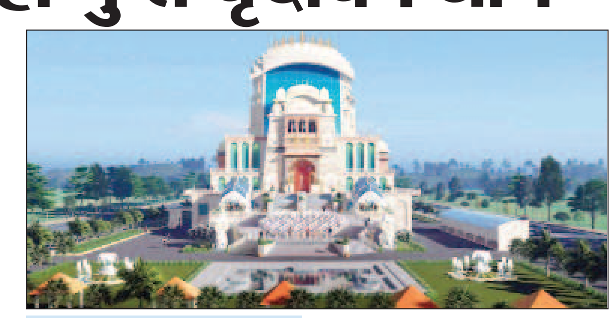

जयपुर। छोटी काशी जयपुर को जल्द ही आस्था की नई सौगात मिलने जा रही है। गुलाबी नगरी में मोती डूंगरी, गोविंददेव जी समेत कई प्रसिद्ध मंदिरों के बाद अब गुप्त वृंदावन धाम भी जल्द ही श्रद्धालुओं के लिए खुलने जा रहा है। यह जयपुर के जगतपुरा में हरे कृष्ण मार्ग पर इसके बनने का काम तेजी से चल रहा है। प्रदेश के इस सबसे बड़े मंदिर का आधिकारिक भव्य उद्घाटन 2027 में होने जा रहा है।

6 एकड़ जमीन पर बनकर हो रहा है तैयार

यह मंदिर जगतपुरा में हरे कृष्ण मार्ग पर 6 एकड़ भूमि पर 300 करोड़ की लागत से बनाया जा रहा है। इसका उद्घाटन जयपुर की स्थापना की 300वीं वर्षगांठ के अवसर पर 2027 में किया जाएगा। खास बात यह है कि यह राजस्थान का सबसे बड़ा मंदिर और सांस्कृतिक परिसर होगा।

बलराम संग राधा-कृष्ण

6 एकड़ भूमि पर बन रहे इस भव्य मंदिर में श्री कृष्ण-बलराम, राधा-श्यामसुंदर और गौरी-निताई की भव्य प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। साथ ही मंदिर में एक विशाल धार्मिक स्थल होगा, जहां हजारों भक्त एक साथ भक्ति का आनंद ले सकेंगे। इसमें एक सांस्कृतिक और शैक्षणिक केंद्र भी होगा, जहां भक्तों को कृष्ण लीला एक्सपो, गीता प्रदर्शनी, हरिनाम मंडप और प्रमात्मा हॉल जैसी खास जगहें देखने को मिलेंगी। साथ ही कृष्ण लीला एक्सपो, हरिनाम मंडप और गीता प्रदर्शनी का अनुभव भी मिलेगा।

'मयूर द्वार' पर 108 मोर

मंदिर में 6 द्वार होंगे। मयूर द्वार मुख्य होगा। द्वारिका के मंदिरों की तरह इस पर 108 मोर बनाए जाएंगे। दूसरा 'हंस द्वार' होगा। जगन्नाथपुरी मंदिर की तरह पूरब और पश्चिम में 2-2 द्वार होंगे, जिन्हें सिंह द्वार, व्याघ्र द्वार, हस्ति द्वार, अश्व द्वार नाम दिए जाएंगे।

शिखर पर कमान छतरी

धाम में राजस्थानी शैली और आधुनिक डिजाइनों से जुड़ा आर्किटेक्चर देखने को मिलेगा, शिखर पर राजस्थानी आर्किटेक्चर में छतरी बनेगी, दीवारों पर फसाड़ कांच लगेंगे। आर्किटेक्ट मधु पंडित दास हैं, जिन्होंने विश्व का सबसे बड़ा वृंदावन चंद्रोदय मंदिर भी डिजाइन किया है।

सिंगर केपी सक्सेना का गाया हैप्पी मैरिज एनिवर्सरी गीत देश-दुनिया में हो रहा लोकप्रिय

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। हाल ही रिटायर्ड जज व सिंगर केपी सक्सेना की सुरीली आवाज में पिरोया हैप्पी मैरिज एनिवर्सरी एलबम रिलीज हो गया है। शौख व रुमानियत से भरी आवाज में गाया यह गीत आज देश-विदेश के कई प्रसिद्ध ऑडियो संगीत चैनल पर अत्यधिक लोकप्रिय हो रहा है। केपी सक्सेना लंबे समय से जयपुर समेत देश-विदेश के प्रतिष्ठित मंचों पर अपनी जादुई आवाज व शास्त्रीय संगीत के कमाले फन से स्वरचित गीतों की मिठास का तिलिस्म बिखेर रहे हैं।

सुप्रसिद्ध संगीतकार विक्रांत माथुर का संगीतबद्ध यह सॉन्ग मुंबई के लता मंगेशकर स्टूडियो में रिकॉर्ड किया गया। सिंगर केपी सक्सेना ने बताया कि अब तक मैरिज एनिवर्सरी को लेकर कोई गीत सुनने को नहीं मिला। यही खास वजह रही कि मैंने इस पर सॉन्ग बनाने का फैसला किया। यह सॉन्ग केपी सक्सेना म्यूजिक की ओर से रिलीज किया गया है। शुबहा नहीं कि यह सुरीला एवं आकर्षक गीत मैरिज एनिवर्सरी सेलिब्रेशन के जश्न की आबोताब बढ़ाएगा। इतना ही नहीं इसका आनंद हर व्यक्ति ले सकेगा।सिंगर केपी सक्सेना के तकरीबन 50 ऑडियो और वीडियो एलबम प्रतिष्ठित संगीत कंपनी टी-सीरीज ने जारी किए हैं। सक्सेना का सुप्रसिद्ध गायिका अनुराधा पौडवाल के साथ गाया भजन मेरे राम... बहुत सुर्खियां बंटोर चुका है। संगीत में योगदान से उन्हें मुंबई की प्रसिद्ध संस्थाएं आईपीआरएस एवं इसरा ने सदस्यता प्रदान की है। वे लंबे समय से जयपुर समेत देश-विदेश के प्रतिष्ठित मंचों पर अपनी जादुई आवाज व शास्त्रीय संगीत के कमाले फन से स्वरचित गीतों की मिठास का तिलिस्म बिखेर रहे हैं।

गीता जयंती : अंतरराष्ट्रीय गीता प्रचारक ज्ञाननंद महाराज राजधानी जयपुर आए

» जागरूक जनता @ जयपुर। जीओ गीता परिवार एवं सर्वमंगला सनातन धर्म फाउंडेशन की ओर से श्रीमद् भागवत गीता सनातन जय घोष व्याख्यान के लिए एक दिवसीय जयपुर दौरे पर आए अंतर्राष्ट्रीय गीता प्रचारक ज्ञाननंद महाराज ने सर्वप्रथम आराध्य दवे गोविंददवे जी के दर्शन किए एवं विशेष पूजा-प्रार्थना की। श्रीमद्भागवत गीता सनातन जय घोष विषय पर राजस्थान विवि में हुए व्याख्यान में गीता मनीषी ज्ञाननंद महाराज ने कहा कि गीता जयंती के माध्यम से व्यक्ति के जीवन में संतुलन, उद्शद्ेय और जीवन दर्शन को गहरा करने का प्रयास किया जाता है। जिससे कि हर व्यक्ति अपने जीवन में एक सकारात्मक बदलाव ला सके। गीता हमें यह संदेश दतीं है कि संपूर्णविश्व एक परिवार है। यह समर्पण, प्रेम, प्रे भाईचारे और शांति का प्रतीक है। कार्यक्रम से पूर्व मीडिया को संबोधित करते हुए मनीषी ज्ञाननंद महाराज ने कहा कि इस बार 5161वीं गीता जयंती मनाई जा रही है। उन्होंने 11 दिसंबर को सुबह 11 बजे कर 1 मिनिट के लिए गीता पाठ करने का आह्वान किया।

उत्तरी हवाओं से प्रदेश में और बढ़ेगी सर्दी

» जागरूक जनता @ जयपुर। प्रदेश में अब सर्दी धीरे-धीरे रंगत दिखाने लगी है। जयपुर में अलसुबह व शाम को तेज सर्दी लोगों को महसूस हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार विंड पैटर्न में बदलाव से प्रदेश में सर्दी का जोर धीरे-धीरे बढ़ रहा है। दिसंबर व जनवरी में प्रदेश में कड़ाके की सर्दी पड़ने की संभावना है। अधिकांश शहरों में अब दिन और रात के तापमान में बढ़ोतरी हुई है।

जिला कलक्टर की अध्यक्षता में जिला निष्पादक समिति की बैठक आयोजित

विद्यालयों में बुनियादी सुविधाएं हों सुनिश्चित, सरकारी योजनाओं का हो बेहतर क्रियान्वयन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर कलक्ट्रेट सभागार में शिक्षा विभाग की जिला निष्पादक समिति की बैठक का आयोजन हुआ। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला कलक्टर डॉ जितेंद्र कुमार सोनी ने शिक्षा अधिकारियों को अपने क्षेत्राधिकार वाले राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित कराने और सरकारी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन पर भी फोकस करने के लिए निर्देशित किया।

उन्होंने पीएम श्री स्कूलों का नियमित निरीक्षण करने, विद्यालयों में पेयजल व्यवस्था, टॉयलेट, पुस्तकालय सहित अन्य बुनियादी सुविधाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिये, साथ ही विद्यालयों के पुस्तकालयों में रखी पुस्तकों का वितरण विद्यार्थियों में करने एवं विद्यार्थियों को पुस्तक अध्ययन एवं रखरखाव के लिए प्रेरित करने के लिए भी निर्देशित किया। जिला कलक्टर ने ज्ञान धरा अभियान के तहत भूमि विहीन विद्यालयों को जल्द से जल्द भूखंड एवं खेल मैदान की व्यवस्था करने एवं समस्त राजकीय विद्यालयों में विद्युत कनेक्शन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया। जिला कलक्टर ने शिक्षा अधिकारियों को राजकीय विद्यालयों में नामांकन वृद्धि करने, जनआधार, आधार प्रमाणीकरण सहित अन्य आवंटित कार्यों से जुड़े लक्ष्य जल्द से जल्द हासिल करने के निर्देश दिये। बैठक में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी मंजू शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, समग्र शिक्षा अभियान के अधिकारियों सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

शीतकालीन सत्र हंगामे के साथ शुरू: लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही 27 नवंबर तक के लिए स्थगित

आप अनुभवी, सदन की मर्यादा रखें: धनखड़, आप मुझे मत सिखाइए: खड़गे

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार से हंगामे के साथ शुरू हुआ। पहले ही दिन लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष ने जमकर हल्ला बोला। इसके बाद दोनों सदनों को 27 नवंबर को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच बहस हुई। दरअसल, धनखड़ ने खड़गे से कहा कि हमारे संविधान को 75 साल पूरे हो रहे हैं। उम्मीद है आप इसकी मर्यादा रखेंगे। इस पर खड़गे ने जवाब दिया कि इन 75 सालों में मेरा योगदान भी 54 साल का है, तो आप मुझे मत सिखाइए। इस पर धनखड़ ने कहा कि मैं आपको इतना सम्मान देता हूं और आप ऐसा बोल रहे हैं। मुझे दुख पहुंचा है। इसके बाद राज्यसभा की कार्यवाही 27 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी गई। इस दौरान खड़गे ने अडाणी का मुद्दा उठाया। इस पर राज्यसभा अध्यक्ष जगदीप धनखड़ ने उन्हें रोक दिया। धनखड़ ने कहा कि इस मुद्दे पर आप जो भी बोलेंगे उसे रिकॉर्ड नहीं किया जाएगा।

उधर, लोकसभा की कार्यवाही भी पूरी नहीं हो सकी। विपक्ष के नेता अडाणी मुद्दे पर हंगामा करते रहे। सदन को 27 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

मुठ्ठी भर लोग हुड़दंगबाजी से संसद को कंट्रोल करने की कोशिश करते हैं: मोदी

सत्र शुरू होने से पहले पीएम मोदी ने संसद परिसर से देश को संबोधित किया। पीएम ने कहा कि शीतकालीन सत्र है और माहौल भी शीत ही रहेगा। उन्होंने कहा कि 2024 का ये अंतिम कालखंड चल रहा है, देश उमंग और उत्साह के साथ 2025 के स्वागत की तैयारी में भी लगा हुआ है। संसद का ये सत्र अनेक प्रकार से विशेष है। सबसे बड़ी बात है कि हमारे संविधान की यात्रा का 75वें साल में प्रवेश अपने आप में लोकतंत्र के लिए एक बहुत ही उज्जवल अवसर है। हम इस उत्सव का मंगलवार को मिलकर आगाज करेंगे। उन्होंने कहा कि संविधान निर्माताओं ने संविधान बनाते समय एक-एक बिंदु पर चर्चा की। तब जाकर ऐसा उत्तम दस्तावेज हमें मिला। इसकी महत्वपूर्ण इकाई है हमारी संसद। हमारे सांसद भी, संसद भी। संसद में स्वस्थ चर्चा हो, ज्यादा से ज्यादा लोग चर्चा में योगदान दें। दुर्भाग्य से मुठ्ठी भर लोग राजनीतिक स्वार्थ के लिए संसद को हुड़दंगबाजी से कंट्रोल करने का प्रयास करते हैं। जनता उन्हें देखती है फिर सजा देती है।

अडाणी का बचाव कर रही है भाजपा : तिवारी

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि हमारे देश में बहुत सारी समस्याएं हैं, दिल्ली में प्रदूषण बहुत ज्यादा है। इसकी वजह आप सरकार और बीजेपी सरकार की विफलता है। पूरे देश में अराजकता फैल गई है। महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है। हम इन सभी मुद्दों को संसद में उठाएंगे। अमेरिका में एक अदालत ने संज्ञान लिया है कि देश में अडाणी ग्रुप द्वारा 22,000 करोड़ रुपए की रिश्वत दी गई है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि अडाणी पर आरोप लगाए जा रहे हैं, लेकिन भाजपा उनका (अडाणी) का बचाव ऐसे कर रही है जैसे वे उनके कार्यकर्ता हों।

जागरूक खबरें

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन भी मंजूर

» **जागरूक जनता @ नई दिल्ली।** कैबिनेट ने 2481 करोड़ रुपए के परिव्यय से राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन की स्वीकृति दी है। इस योजना का 15वें वित्त आयोग (2025-26) तक कुल परिव्यय 2481 करोड़ रुपए होगा। मंत्रिमंडल ने रेलवे की मुंबई से प्रयागराज ट्रंक लाइन पर मनमाड से खंडवा तक चौरीकरण करने और मानिकपुर से प्रयागराज के इरादतगंज तक तीसरी लाइन बिछाने की तीन परियोजनाओं को स्वीकृति दे दी। मनमाड से भुसावल के बीच 160 किलोमीटर लंबी चौथी लाइन बिछाने का काम किया जाएगा जिस पर 2773 करोड़ रुपए की लागत आएगी। भुसावल से खंडवा तक 131 किलोमीटर की लंबाई में तीसरी एवं चौथी लाइन बिछाई जाएगी।

क्यूआर कोड वाले पैन कार्ड को मंजूरी

नई दिल्ली। मोदी कैबिनेट की बैठक में सोमवार को पैन 2.0 प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी। केंद्रीय मंत्री अश्विवी वैष्णव ने बताया कि इसके लिए सरकार 1435 करोड़ रुपए खर्च करेगी। मौजूदा पैन के नंबर को बदले बिना कार्ड एडवांस किए जाएंगे। वैष्णव ने कहा कि नए पैन कार्ड क्यूआर कोड वाले होंगे। इसके लिए पेपरलेन यानी ऑनलाइन प्रोसेस अपनाई जाएगी। लोगों को क्यूआर कोड वाले पैन के लिए अलग से खर्च करने की जरूरत नहीं होगी।

जयपुर में जीका वायरस की दस्तक

जयपुर। प्रदेश में जीका वायरस ने दस्तक दे दी। राजधानी जयपुर में इससे एक बुजुर्ग मरीज की मौत हो गई। इसके बाद चिकित्सा विभाग अलर्ट मोड पर आ गया। जानकारी के अनुसार, राजेंद्र (66) को 20 नवंबर को बुखार के बाद एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच के दौरान राजेंद्र को जीका वायरस पॉजिटिव पाया गया।

राजस्थान विधानसभा में पहली बार मनाया गया संविधान दिवस

संविधान हमारी आत्मा और पवित्र ग्रंथ है-देवनानी

संविधान दीर्घा में प्रदर्शित है भारत की संस्कृति व स्वाभिमान दिखाती तस्वीरें

विधान सभा अध्यक्ष की पहल पर बनी है संविधान दीर्घा
देवनानी ने विधान सभा में संविधान दीर्घा का किया लोकार्पण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि संविधान के प्रति अश्रद्धा पैदा ना करें। संविधान के मूल ढांचे को कोई बदल नहीं सकता है। संविधान के बाईस भागों में हमारी संस्कृति और नैतिकता का विवरण है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र का प्रत्येक नागरिक संविधान को पढ़ें, उसे जानें और उसके अनुकूल जीवन जीने का प्रयास करें। संविधान हमारी आत्मा और पवित्र ग्रंथ है। यह हमारे जीवन मूल्य व संस्कृति का स्वाभिमान भी है। संविधान सिर्फ एक कानूनी दस्तावेज नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक भारत के लोगों की आकांक्षाओं, मूल्यों और आदर्शों का प्रतिबिम्ब है।

देवनानी ने मंगलवार को यहां विधान सभा में संविधान दिवस पर आयोजित समारोह में राजनैतिक आख्यान संग्रहालय में नवनिर्मित संविधान दीर्घा का लोकार्पण किया। इस संविधान दीर्घा में मूल संविधान के बाईस भागों के आरम्भ में दर्शायी गयी कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया है। देवनानी ने बताया कि संविधान दीर्घा का उ?द्देश्य आमजन और युवाओं में राष्ट्र और राष्ट्र के संविधान का बोध कराने के साथ ही संविधान, सांस्कृतिक और नैतिकता के प्रति जागरुकता लाना है। उन्होंने संविधान दिवस को संविधान निर्माताओं के प्रति श्रद्धाभाव प्रकट करने तथा उनके अविस्मरणीय योगदान के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का स्मरण दिवस बताया हैं।

अधिवक्ता संविधान प्रदत्त अधिकारों की पालना में सहयोगी बने

राजस्थान विधान सभा में अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर पहली बार आयोजित संविधान दिवस समारोह में सैकडों की संख्या में अधिवक्तागण, विधि संस्थानों के छात्र-छात्राओं के साथ ही गणमान्य नागरिकगण और राजस्थान विधान सभा के अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया। देवनानी ने अधिवक्ताओं का आवहान किया कि वे संविधान प्रदत्त अधिकारों की पालना कराने में सहयोगी बनें। संविधान की आत्मा और डॉ. अंबेडकर की अपेक्षाओं के अनुरूप आज के समय की आवश्यकता के अनुसार लोगों को शीघ्र न्याय मिले, सस्ता न्याय मिले, संविधान की रक्षा हो, संविधान में निष्ठा हो और हम सभी असवैधानिक कार्यों से बचें। उन्होंने समाज और राष्ट्र हित में कार्य करने के लिए कहा।

भारत की संस्कृति और स्वाभिमान को दिखाती हुई तस्वीरें है दीर्घा में

देवनानी ने कहा कि संविधान के बाईस भागों के मुख पृष्ठ पर भारत की संस्कृति और स्वाभिमान को दिखाती हुई तस्वीरें है। उन्होंने कहा कि इन तस्वीरों में भारत की प्राचीन सम्यता मोहन जोदड़ो से लेकर महाभारत में कुरुक्षेत्र और कृष्ण द्वारा दिए गए गीता के ज्ञान, भगवान राम की लंका विजय, भगवान बद्ध का जीवन चरित्र, महान सम्राट अशोक, उज्जैन के न्यायिप्रय महाराज विर् मादित्य के राजदरबार, प्राचीन वैदिक गुरुकुल, नालंदा विश्वविद्यालय, भगवान नटराज, रामभक्त हनुमान के साथ ही झांसी की रानी लक्ष्मी बाई, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, छत्रपति वीर शिवाजी और गुरु गोविन्द सिंह को प्रदर्शित किया गया है।

संविधान लोकतांत्रिक गणराज्य की नींव

देवनानी ने कहा कि भारत का संविधान विश्व का सबसे लम्बा और लिखित संविधान है। यह हमारे लोकतांत्रिक गणराज्य की नींव है। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान का इतिहास उन लाखों भारतीयों के संघर्षों और स्वतंत्र होने की आशाओं में निहित है जो स्वतंत्रता, न्याय एवं समानता के लिए तरस रहे थे। महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, सरदार पटेल, बाबा साहब अंबेडकर, वीर सावरकर जैसे महापुरुषों के नेतृत्व में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम ने एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक भारत की प्राप्ति के लिए आशा की चिंगारी जलाई थी।

नागरिकों के अंदर संवैधानिक मूल्यों का विकास करना ही दिवस मनाने का उद्देश्य

देवनानी ने कहा कि डॉ. बी.आर. अम्बेडकर, जिन्हें संविधान के मुख्य वास्तुकार के रूप में जाना जाता है, ने इस स्मारकीय दस्तावेज़ का मसौदा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, इसीलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2015 में बाबा साहब की 125 वीं जयंती के उपलक्ष्य में इस विशेष दिवस को "संविधान दिवस" के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया, जिसका उ?द्देश्य नागरिकों के अंदर संवैधानिक मूल्यों का विकास करना एवं संविधान में आस्था बढाना है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान अद्भुत तार्किकता, दूरदर्शिता, संवेदनशीलता से युक्त एक ऐसा दस्तावेज़ है जिसमें विश्व के विभिन्न संविधानों के सर्वोतम तत्वों को शामिल किया गया था, साथ ही यह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और दार्शनिक परंपराओं का प्रतिनिधित्व करता है।

संविधान के सिद्धांतों को अपनाएं और इसके आदर्शों पर चलने का प्रयास करें -

विस अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि भारत के नागरिक के रूप में, संविधान के सिद्धांतों को अपनाएं और इसके आदर्शों पर चलने का प्रयास करें। हमारा लोकतंत्र न केवल राजनीतिक संस्थानों के कामकाज पर बल्कि अपने नागरिकों की सक्रिय भागीदारी पर भी निर्भर करता है। न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के मूल्यों को कायम रखते हुए, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि भारत आने वाली पीढ़ियों के लिए आशा और प्रगति का प्रतीक बना रहे। उन्होंने कहा कि समय और आवश्यकता के अनुरूप संविधान में संशोधन होते रहते हैं और होने चाहिए।

देवनानी ने भेंट की संविधान की प्रतियां

संसदीय कार्य एवं विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि विधान सभा जैसे पवित्र स्थल पर पहली बार आयोजित संविधान दिवस समारोह महत्वपूर्ण है। संविधान की मूल भावना जनसेवा है और यह मानव शक्ति का संचार है। भारत का संविधान सशक्त है। इसमें भारत के प्रत्येक नागरिक की आस्था बढी है। राजस्थान विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि राष्ट्र की वायु, धरती और पानी पर राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। राष्ट्र में सभी समान है, इसलिए सभी के लिए एक जैसा विधान है, जिसे संविधान कहते हैं। संविधान के मर्म को गहराई से समझे और अपनी जिम्मेदारी निभायें। महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि विधान सभा की संविधान दीर्घा और आज के दिवस का सामान्जस्य है। न्याय पालिका, कार्य पालिका और विधायिका को मिलकर संविधान का अनुपालन करना चाहिए। संविधान के ज्ञान का प्रसार ही संविधान दिवस का मूल उद्देश्य है।

अतिरिक्त महाधिवक्ता बसत छाबा ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में ही संविधान का स्वरूप निहित है। वरिष्ठ अधिवक्ता आर.एन माथुर ने कहा कि अंतिम व्यक्ति को राहत पहुंचाना ही संविधान की अनुपालना है। महिलाओं और बच्चों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। अध्यक्ष देवनानी ने अतिथियों को संविधान की प्रक्रिया स्मृति स्वरूप भेंट की। इस मौके पर राजस्थान विधान सभा के सदस्यगण, पूर्व सदस्यगण, विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के.के. शर्मा सहित अधिवक्तागण, विधि महाविद्यालय के विद्यार्थी और राजस्थान विधान सभा के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

आईपीएल के अवैध प्रसारण व ऑनलाइन बेटिंग केस में ईडी की बड़ी कार्रवाई

तीन राज्यों में जब्त की 219.66 करोड़ की प्रॉपर्टी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

ईडी ने आईपीएल क्रिकेट मैच के अवैध प्रसारण और ऑनलाइन बेटिंग से जुड़े 'फेयरप्ले' मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 219.66 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की। तीन राज्यों के 5 शहरों में ये संपत्तियां जब्त की गई। ईडी की ओर से सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आधिकारिक बयान जारी किया गया। जारी बयान में बताया गया कि ईडी, मुंबई ने 219.66 करोड़ की चल और अचल संपत्ति जब्त की। चल संपत्ति डीमेट अकाउंट के रूप में हैं, जिन्हें जब्त कर लिया गया। वहीं अचल संपत्ति जमीन, फ्लैट और कॉमर्शियल वेयरहाउस के रूप में हैं। यह जमीन, फ्लैट और वेयरहाउस अजमेर (राजस्थान), कच्छ (गुजरात) और मुंबई, ठाणे और दमन (महाराष्ट्र) में हैं।

जानिए क्या है फेयरप्ले का केस

लोकसभा चुनाव के नतीजों पर सट्टेबाजी और आईपीएल क्रिकेट मैच के अवैध प्रसारण मामले को लेकर ईडी ने मुंबई और पुणे में फेयरप्ले एप के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग कानून के तहत छापेमारी की थी। उस समय आरोप लगाया गया था कि फेयरप्ले ने कई फर्जी खातों के जरिए रुपए इकट्ठे किए थे। बाद में यह रकम फर्जी बिलिंग में शामिल फार्मा कंपनियों में जमा की गई। ईडी का आरोप है कि यह रकम इन कंपनियों के जरिए हॉन्गकॉन्ग, चीन और दुबई स्थित फर्जी संस्थाओं को भेजी गई। मामले में जून में भी ईडी ने छापेमारी की थी।

राज ठाकरे को लग सकता है बड़ा झटका

चुनाव आयोग रद्द कर सकता है पार्टी की मान्यता

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

महाराष्ट्र चुनाव में बुरी तरह हार के बाद राज ठाकरे को एक और झटका लग सकता है। सूत्रों के मुताबिक, चुनाव आयोग राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की मान्यता रद्द करने पर विचार कर रहा है। दरअसल, विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी का एक भी विधायक चुनाव नहीं जीत सका। वहीं, पार्टी का वोट शेयर भी काफी कम रहा, इसके बाद चुनाव आयोग यह कदम उठा सकता है।

जानकारों के मुताबिक, विधानसभा चुनावों में क्षेत्रीय पार्टी को कम से कम एक विधानसभा सीट या मतदान का 8 प्रतिशत वोट शेयर मिलना जरूरी है। ऐसा न होने पर मान्यता जा सकती है। चुनाव परिणामों को देखें तो महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने 125 सीटों प्रत्याशी उतारे थे, लेकिन एक भी सीट जीत नहीं सकी। यहां तक कि राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे भी चुनाव हार गए। ऐसे में अगर चुनाव आयोग पार्टी की मान्यता रद्द करता है तो यह राज ठाकरे के लिए बड़ा झटका माना जाएगा।

बांग्लादेश में फिर भड़की हिंसा

बांग्लादेश में चिन्मय प्रभु की गिरफ्तारी पर बवाल, हिंदुओं पर फिर हुए हमले, कई घायल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। बांग्लादेश में एक बार फिर हिंसा भड़क उठी है। चटगांव इस्कॉन पुंडरीक धाम के अध्यक्ष चिन्मय कृष्णन दास की गिरफ्तारी के बाद हालात बिगड़ते जा रहे हैं। चिन्मय प्रभु की गिरफ्तारी के विरोध में हिंदू समाज के लोग सड़कों पर उतर आए, इस दौरान बीएनपी और जमात के कार्यकर्ताओं ने उन पर हमला कर दिया। इस हमले में 50 से अधिक हिंदू समुदाय के लोग घायल हुए हैं। ढाका के शाहबाग में शांतिपूर्ण सभा के दौरान हिंदू समुदाय के लोगों और चटगांव विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कुशाल बरन पर भी हमला हुआ है। इस हमले में वो गंभीर रूप से घायल हो गए है। कई लोगों को अस्पताल में भी भर्ती कराया गया है।

इस्कॉन ने की रिहाई की मांग

चिन्मय प्रभु की गिरफ्तारी के बाद इस्कॉन ने एक्स पर एक पोस्ट किया। जिसमें में कहा, हमें चिंताजनक खबर मिली है कि इस्कॉन बांग्लादेश के प्रमुख नेता चिन्मय कृष्ण दास को ढाका पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस्कॉन भारत सरकार से तुरंत कदम उठाने और बांग्लादेश सरकार से बात करने की अपील करता है। हम एक शांतिपूर्ण भक्ति आंदोलन हैं। हम चाहते हैं कि बांग्लादेश सरकार चिन्मय कृष्ण दास को जल्द रिहा करे। हम भगवान कृष्ण से इन भक्तों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करते हैं।

दर्ज हुआ देशद्रोह का मुकदमा

बता दें कि, इसी साल 30 अक्तूबर को बांग्लादेश में राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने के आरोप में देशद्रोह अधिनियम के तहत चिन्मय कृष्ण दास प्रभु समेत 19 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। आरोप है कि 25 अक्तूबर को चटगांव के लालदीघी मैदान में सनातन जागरण मंच ने आठ सूत्री मांगों को लेकर एक रैली की थी।

इस दौरान एक चौक पर स्थित आजादी स्तंभ पर कुछ लोगों ने भगवा ध्वज फहराया था। इस ध्वज पर आमी सनातनी लिखा हुआ था। इसे लेकर चिन्मय कृष्ण दास पर राष्ट्रीय झंडे की अवमानना व अपमान करने का आरोप लगाया गया है।

चिंतन

वायु प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती बिल्कुल सही

देश की सर्वोच्च अदालत ने वही किया जो बहुत जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने प्रदूषण पर अपने तल्ख तेवर बरकरार रखते हुए साफ शब्दों में कहा कि अभी ग्रेप-4 लागू रहेगा। प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हुई। कोर्ट ने एयर क्वालिटी कमीशन से पूछा कि 2 दिन में बताएं दिल्ली में जल्द स्कूल कैसे खुलेंगे। जस्टिस अभय ओक और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि हमें यह भी स्वीकार करना चाहिए कि सिर्फ तकनीक के इस्तेमाल को बेहतर बनाने से न्याय की गुणवत्ता में सुधार नहीं होगा। हमें समस्या का परमानेंट हल निकालना होगा। यह सही भी है। बिना सख्ती के प्रदूषण का समाधान होता नजर भी नहीं आ रहा। जिस सरकारी तंत्र के भरोसे हम बैठे थे वो दिल्ली और देश के एक बड़े हिस्से को अपनी चपेट में लेने वाले वायु प्रदूषण से निपटने में बुरी तरह नाकाम रहा है। इससे भी अधिक चिंताजनक यह है कि हल तलाशने की बजाए नाकामी को छिपाने की कोशिश होती रही। वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई के सही आंकड़े को सार्वजनिक न करने के भी प्रयास होते रहे। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड यानी सीपीसीबी यह दलील देता रहा कि 500 से अधिक एक्यूआई के आंकड़े को इसलिए प्रकट नहीं किया जाता, क्योंकि यह स्पष्ट ही होता है कि वायु की गुणवत्ता में इससे ज्यादा कमी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होती है। इसका क्या मतलब समझा जाए, क्या यह देखा जा रहा था कि एक्यूई 800 और 1000 कैसे होता है। इसी से ही हमारे तंत्र की गंभीरता का अंदाजा सहज लगाया जा सकता है। कितनी चिंताजनक स्थिति है कि देश के दस बड़े शहरों में हर दिन होने वाली मौतों में सात फीसदी से अधिक का मुख्य कारण प्रदूषण है। वहीं दुनिया में सबसे प्रदूषित राजधानी दिल्ली में यह आंकड़ा साढ़े ग्यारह प्रतिशत के आसपास है। पिछले दिनों चिकित्सा विज्ञान से जुड़ी अंतरराष्ट्रीय पत्रिका लासेंट के अध्ययन में ये आंकड़े सामने आए हैं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिन शहरों में निर्धारित मानकों से अधिक प्रदूषण है, वहां भी प्रदूषण नियंत्रण के लिए केंद्र द्वारा आवंटित राशि का बड़ा हिस्सा खर्च तक नहीं हो पाता है। विडंबना देखिए कि 131 शहरों को आवंटित राशि का महज 60 फीसदी ही खर्च हो पाया है। यह स्थिति तब है जब देश के अधिकांश शहर गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में हैं। केंद्र सरकार ने इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए राष्ट्रीय वायु स्वच्छता कार्यक्रम का ऐलान 2019 में किया था। जिसका उद्देश्य प्रदूषण से नागरिकों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करना था। कोशिश थी कि देश के चुनिंदा एक सौ तीस शहरों में वर्ष 2017 के मुकाबले वर्ष 2024 तक घातक धूल कणों की उपस्थिति बीस से तीस फीसदी कम हो सके। दरअसल, इस अभियान के तहत वायु स्वच्छता कार्यक्रम चलाया जाता है। जिसमें सार्वजनिक यातायात को प्रोत्साहन, शहरों में पौधरोपण, कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन, इलेक्ट्रानिक वाहनों को प्रोत्साहन शामिल है। इस योजना का प्रचार तो खूब हुआ, लेकिन धरातल में कोई असर होता नजर नहीं आ रहा। राज्य सरकारों व स्थानीय प्रशासन की तरफ से इस दिशा में कोई गंभीर प्रयास नहीं किया गया। अब सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाई है तो स्थानीय प्रशासन भी डीजल के 10 और पेट्रोल के 15 साल पुराने वाहनों पर नकेल कसने में जुटा है। पूरे उत्तरी भारत में हजारों की संख्या में ऐसे वाहन जब्त किए जा चुके हैं। आखिर प्रशासन जागा तो सही। जो प्रयास अब हो रहे हैं, यही होते रहे तो जल्द ही हवा में घुल रहा जहर कम हो जाएगा, ऐसी उम्मीद है।

संविधान दिवस
नरेन्द्र सिंह तोमर

सशक्त-समर्थ लोकतंत्र का प्रतिबिंब

हमारा संविधान जन-जन की भावनाओं, आकांक्षाओं का प्रतीक रहा है। संविधान ने राष्ट्र को राह दिखाई है और समय-समय पर स्वयं में परिवर्तन करके लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक सशक्त भी किया है। 9 दिसंबर 1946 को संविधान सभा की पहली बैठक हुई थी और लंबे अध्ययन- मंथन-चिंतन के पश्चात 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने संविधान को अंगीकार किया था। यह समय उसी पवित्र दस्तावेज को स्मरण करने का है जिसने न केवल दशकों से हमारे गणतंत्र की यात्रा का मार्गदर्शन किया है, अपितु कई अन्य देशों को भी अपने संविधान तैयार करने के लिए प्रेरित किया है। संविधान सभा, राष्ट्र के सभी क्षेत्रों और समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले निर्वाचित सदस्यों से बनीं थी।

हम 26 नवम्बर 2024 को 75वां संविधान दिवस मनाने जा रहे हैं। हमारे संविधान का अमृत काल में प्रवेश सशक्त एवं समर्थ भारतीय लोकतंत्र का प्रतिबिंब है। संविधान को राष्ट्र को समर्पित करते हुए भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के यह शब्द कि 'संविधान महज वकीलों का दस्तावेज नहीं है, यह जीवन का माध्यम है और इसकी भावना सदैव युग की भावना है' विगत 75 वर्षों में शब्दशः सत्य प्रमाणित हुए हैं। हमारा संविधान जन-जन की भावनाओं, आकांक्षाओं का प्रतीक रहा है।

संविधान ने राष्ट्र को राह दिखाई है और समय-समय पर स्वयं में परिवर्तन करके लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक सशक्त भी किया है। 9 दिसंबर 1946 को संविधान सभा की पहली बैठक हुई थी और लंबे अध्ययन- मंथन-चिंतन के पश्चात 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने संविधान को अंगीकार किया था। यह समय उसी पवित्र दस्तावेज को स्मरण करने का है जिसने न केवल दशकों से हमारे गणतंत्र की यात्रा का मार्गदर्शन किया, अपितु कई अन्य देशों को भी अपने संविधान तैयार करने के लिए प्रेरित किया है। संविधान सभा, राष्ट्र के सभी क्षेत्रों और समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले निर्वाचित सदस्यों से बनीं थी। इन सदस्यों का हमारे स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान तो रहा ही है, साथ ही संविधान रूपी महत्वपूर्ण दस्तावेज की रचना करके भविष्य के भारत को दिशा दिखाने का महान कार्य भी उन्होंने किया है। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद और प्रारूपण समिति के अध्यक्ष डॉ. बी. आर. अंबेडकर की दूरदर्शिता, राष्ट्र के प्रति निष्ठा एवं जन कल्याण की भावना हमारे संविधान में परिलक्षित होती है। हमें इस बात पर भी गर्व करना चाहिए कि संविधान सभा के 389 सदस्यों में 15 महिलाएं भी थीं। यह वह समय था जब दुनिया के तथाकथित प्रगतिशील राष्ट्रों में महिला अधिकारों पर खींच-तान मची थी, हमारे यहां महिलाएं संविधान निर्माण जैसे महान और महत्वपूर्ण कार्य का हिस्सा थीं। हमारे संविधान का आधार स्तंभ इसकी प्रस्तावना है। हमारा संविधान ही प्रारंभ होता है- 'हम भारत के लोग' वाक्य के साथ, अर्थात यहां मैं नहीं हम की भावना के साथ राष्ट्र का एक-एक जन गणतंत्र के लिए प्रतिबद्ध है। संविधान की प्रस्तावना में ही जन कल्याण का ध्येय है और इसमें न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व की भावना पूरी तरह से निहित है।

हमारे संविधान की एक सबसे प्रमुख विशेषता यह है कि यह जितना कठोर है उतना ही लचीला भी है। समय-समय पर काल, परिस्थितियों, राष्ट्र तथा जन कल्याण को दृष्टिगत रखते हुए संविधान स्वयं में संशोधन की क्षमता भी रखता है। सितम्बर 2024 तक हमारे संविधान में कुल 106 संशोधन हो चुके हैं और इन संशोधनों ने संविधान की शक्ति को और अधिक बढ़ाने का कार्य किया है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं कुशल नेतृत्व में विगत दस वर्षों में सरकार ने संविधान में पूर्ण निष्ठा के साथ जन कल्याण की दिशा में तीव्र गति से कार्य किया है। यह दशक संविधान के लोकहित में सशक्त होने का समय था। संविधान में इस दौरान किए गए संशोधन न केवल ऐतिहासिक हैं अपितु राष्ट्र की प्रगति एवं समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण को गति प्रदान करने वाले भी रहे हैं। संविधान का 106वां

संशोधन, इस देश की आधी आबादी अर्थात नारी शक्ति के सशक्तिकरण को समर्पित है। दशकों से लंबित महिलाओं के हक की एक मांग को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने नारी शक्तिवंदन अधिनियम 2023 के माध्यम से साकार किया है। लोकसभा एवं राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटों का आरक्षण भारत में महिला नेतृत्व को एक नया आयाम देता है। 5 अगस्त 2019 को संविधान में हुआ संशोधन स्वतंत्र भारत का सबसे बड़ा ऐतिहासिक निर्णय माना जा सकता है। जम्मू कश्मीर और लद्दाख के लिए संविधान में प्रावधानित अनुच्छेद 370 और 35 ए को हटाए जाने से डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का 'एक देश, एक विधान, एक प्रधान' का संकल्प स्वतंत्रता के 70 वर्ष उपरांत पूर्ण हो पाया। यह पीएम नरेंद्र मोदी की दृढ़ निर्णय शक्ति का ही परिणाम है कि धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भी देश के बाकी हिस्सों के साथ विकास की राह पर आगे बढ़ रहे हैं।

तीन आपराधिक कानून- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य संहिता को लागू करके भारत सरकार ने दंड के स्थान पर न्याय की अवधारणा को धरातल पर उतारा है। अंग्रेजों के समय के कानूनों को समाप्त करके उनके स्थान पर नए आपराधिक कानूनों के लागू होने से समकालीन चुनौतियों से बेहतर तरीके से निपटने और लोक आशाओं को ज्यादा पूर्ण करने की शक्ति प्राप्त हुई है। ये नए आपराधिक कानून जांच, सुनवाई और अदालती प्रक्रियाओं में प्रौद्योगिकी के उपयोग पर बल देते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चिंतन में सदैव पहली प्राथमिकता कमजोर वर्ग को सशक्त कर उसे समाज की मुख्यधारा में लाने की रही है। संविधान के 103वें संशोधन के माध्यम से वर्ष 2019 में भारत सरकार ने सामान्य वर्ग के कमजोर आर्थिक वर्ग वाले परिवारों को 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। यह समाज के कमजोर वर्ग के सशक्तिकरण में मील का पत्थर है। मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम, 2019 ने भारतीय मुस्लिम बहनों के जीवन में रोशनी का एक नया सूरज उगाया है। तीन तलाक जैसी कुप्रथा के अंत से मुस्लिम महिलाओं को अब समाज में बराबरी का अधिकार मिला है। संविधान में यह संशोधन मोदी की दृढ़ संकल्प शक्ति का प्रतीक है। इसके साथ ही जीएसटी के माध्यम से एक देश एक कर की अवधारणा को लागू करने के लिए संविधान का 101वां संशोधन, वर्ष 2019 में संविधान के 104वें संशोधन के जरिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति को आरक्षण प्रदान करने की व्यवस्था को 10 वर्ष और बढ़ाने जैसे कदम सरकार की जन कल्याण और प्रगति में गहरी निष्ठा को स्थापित करते हैं। बता दें कि 1951 से अब तक संविधान में 106 संशोधन किए जा चुके हैं। संविधान में पहला संशोधन 1951 में अस्थायी संसद ने पारित किया था, उस समय राज्यसभा नहीं थी। भारत के संविधान को विश्व के सबसे अधिक संशोधित संविधानों में से एक माना जाता है। 7 जून, 2024 को नरेंद्र मोदी जी ने मोदी-3 सरकार की शुरुआत करते हुए संसद के सेंट्रल हॉल में संविधान की पवित्र पुस्तक को माथे से लगाकर नमन किया था। यही दृश्य पांच साल पहले मोदी-2 के समय भी दृष्टिगत हुआ था। नरेंद्र मोदी जी की भारतीय संविधान में आस्था न केवल इन दृश्यों से अपितु उनके हर निर्णय से स्वतः परिलक्षित हो रही है। हम सभी को देश के नागरिक के रूप में अपने कर्तव्य पालन में संविधान के प्रति आस्था रखते हुए कार्य करना चाहिए। हमें सदैव अपने कर्तव्य का पालन और अधिकारों का यथोचित उपयोग करना चाहिए। अमृतकाल में विकसित भारत की ओर अग्रसर हमारे राष्ट्र को हमारे संवैधानिक मूल्य सशक्त और समृद्ध करते हैं।

लेखक मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष हैं, ये उनके अपने विचार हैं।

दिवस विशेष
प्रो . बिपिन तिवारी

भारतीय संविधान के 75 वर्ष की गौरव यात्रा

संविधान हमारे देश का सर्वोच्च विधान है। यह नियम-कानूनों का दस्तावेज भर नहीं है बल्कि यह वह पवित्र ग्रंथ है जिससे दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत का संचालन होता है। संविधान के द्वारा मौलिक अधिकारों की रक्षा के साथ-साथ शासन के सिद्धांतों को भी रेखांकित किया जाता है। भारतीय संविधान का निर्माण भारतीय संविधान सभा ने किया था। संविधान सभा का गठन छह दिसंबर 1946 को किया गया था। इस सभा में प्रारंभ में कुल 389 सदस्य थे, जिसमें से विभाजन के बाद 299 सदस्य रह गए। इन 299 सदस्यों में से 284 सदस्यों ने 26 नवंबर 1949 को संविधान के अंतिम मसौदे पर हस्ताक्षर किए, जिनमें 15 महिलाएं भी शामिल थीं। भारतीय संविधान का प्रारूप डॉ. भीमराव आंबेडकर की अध्यक्षता में बनी सात प्रशासनिक और क़ानूनी विशेषज्ञों की एक प्रारूप समिति ने बनाया। भारतीय संविधान के निर्माण की प्रक्रिया में संविधान सभा ने लगभग 60 देशों के संविधानों का गहन अध्ययन किया और विश्व के विभिन्न संविधानों में जो कुछ भारत हेतु उपयुक्त लगा, उसे भारतीय संविधान का हिस्सा बनाया। विस्तृत चर्चा के बाद भारतीय संविधान का मसौदा 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा के समक्ष लाया गया एवं संविधान सभा द्वारा अंगीकृत किया गया था, हालांकि इसे 26 जनवरी 1950 से पूरे देश में लागू किया गया था। भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद भारत के संविधान पर हस्ताक्षर करने वाले पहले व्यक्ति बने। भारतीय संविधान की रचना पर बात होने पर डॉ. अम्बेडकर के साथ-साथ संविधान सभा के संवैधानिक सलाहकार बेनेगल नरसिंह राऊ का नाम भी आता है, जिन्होंने भारत के संविधान का मसौदा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वर्ष 2015 से वर्तमान सरकार ने 26 नवंबर को 'संविधान दिवस' के रूप में मानने का निर्णय किया। भारतीय संविधान के 75वें वर्ष पूर्ण होने पर 26 नवंबर 2024 से सालभर स्मरणोत्सव का आयोजन किया जाएगा। अतः यह वर्ष विशिष्ट है। इस दिवस का उद्देश्य संविधान के प्रति नागरिकों में जागरूकता पैदा करना है। संविधान को अपनाने का स्मरण कर रहे हैं, जिसने न केवल दशकों से गणतंत्र की यात्रा को निर्देशित किया है, बल्कि कई अन्य देशों के संविधानों को भी प्रेरित किया है। वर्ष भर चलने वाले इस स्मरणोत्सव को 'हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान' के थीम के रूप में मनाया जाएगा। संविधान की प्रस्तावना भारतीय संविधान की आत्मा का वास है। प्रस्तावना संविधान का प्राण है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना एक संक्षिप्त और व्यापक परिचय है जो संविधान के दर्शन और उद्देश्यों को रेखांकित करती है। पूरे विश्व में यदि किसी संविधान की सर्वश्रेष्ठ प्रस्तावना मानी गई है, तो वह हमारे देश की है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना में ही स्पष्ट है कि संविधान की शक्ति सीधे जनता में निहित है। इसीलिए हमारे संविधान का प्रारंभ ही 'हम भारत के लोग' शब्दों से होता है। संविधान किन आदर्शों, आकांक्षाओं को प्रकट करता है, इसे संविधान उद्देशिका के 'हम भारत के लोग' शब्दों से स्पष्ट समझा जा सकता है। यह केवल शब्द नहीं, अपितु भारतीय संस्कृति का एक तरह से जीवन दर्शन है। भारत का संविधान भारत को एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित करता है जो अपने नागरिकों को न्याय, समानता एवं स्वतंत्रता का आश्वासन देता है तथा बंधुत्व को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। इसे अंगीकृत किए जाने के समय, संविधान में 395 अनुच्छेद और 8 अनुसूचियां थीं और इसमें लगभग 145,000 शब्द थे, जिससे यह अब तक का अंगीकृत किया जाने वाला सबसे लंबा राष्ट्रीय संविधान माना जाता है। संविधान के प्रत्येक अनुच्छेद पर संविधान सभा के सदस्यों द्वारा बहस की गई, जिनकी संविधान के निर्माण के लिए अंतिम प्रारूप को पूरा करने में 2 वर्ष, 11 महीने और 18 दिन लगे। इस अवधि में 11 सत्रों में और 167 दिनों की बैठक हुई। भारत का संविधान न तो मुद्रित है और न ही टंकित। यह हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में हस्तलिखित और सुलेखित है। इसे प्रेम बिहारी नारायण रायज़ादा द्वारा हस्तलिखित किया गया था। पूरे संविधान को हाथ से लिखने में उन्हें 6 महीने लगे और इस दौरान 432 निब घिस गई। यह मूल प्रतियां संसद में रखी हुई हैं। देश का संविधान नागरिकों को मौलिक अधिकार देता है, लेकिन मौलिक अधिकारों के साथ मौलिक कर्तव्य का पालन करना हम भूल जाते हैं। हम सब मिलकर अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का पालन कर एक जिम्मेदार नागरिक बनें तो भारत पुनः विश्व गुरु बन सकता है।

(लेखक दिल्ली विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के प्रोफ़ेसर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

श्रावण मास का धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व

संकलित
दर्शन

भारतीय मनीषियों ने काल गणना के प्रसंग में संस्कृत के 12 मासों को वैज्ञानिकता की पृष्ठभूमि में निर्धारित किया है, जिसमें श्रावण मास चैत्रादि मासों के क्रम में पांचवें मास के क्रम में स्वीकार किया है। संस्कृत व्याकरण की दृष्टि से श्रवण नक्षत्र में अण प्रत्यय के योग से श्रावण शब्द बनता है, जिसका अर्थ है श्रवण से संबंधित। ध्यातव्य है कि ज्योतिष शास्त्र में श्रवण नक्षत्र का स्वामी भगवान विष्णु को माना गया है। जिस महीने में श्रवण नक्षत्र में पूर्णिमा होती है, उसे ही श्रावण मास कहते हैं। कुछ विद्वानों के मत से सृष्टि का प्रारंभ जल से हुआ है और सावन मास जल के लिए जाना जाता है। अतः यह सृष्टि का पहला महीना है। वेद कहते हैं- 'अप एव ससर्जादौ' अर्थात विधाता ने सर्वप्रथम जल का निर्माण किया। महाकवि कालिदास जी कहते हैं- या सृष्टिः स्रष्टुराद्या अर्थात ब्रह्मा की पहली सृष्टि जल ही है। सावन मास में सूर्य दक्षिणायन हो जाते हैं। कर्क राशि का सूर्य ही सावन मास है। इस महीने भगवान विष्णु जल का आश्रय लेकर क्षीरसागर में शयन करने चले जाते हैं। जल वृष्टि अधिक होने से पृथ्वी में कणों के गर्भांकुर फूट पड़ते हैं। गर्मी का ताप शांत हो जाता है। हृदयहारी वायु बहने लगती है। सभी चराचर जड़ चेतन जीव-जंतु हर्षित हो जाते हैं। प्रकृति का वातावरण सुरम्य हो जाता है। संपूर्ण जीव-जगत उल्लास से भर जाता है। ऊष्णता से संतप्त प्राणियों को शरण देने वाला श्रावण मास का शुभागमन परम आह्लाद देने वाला हो जाता है। सरिताएं, नद, तालाब, नवीन जल से परिपूर्ण हो जाते हैं।

सेवा का समर्पण भाव

संकलित
प्रेरणा

एक बार एक राजा भोजन कर रहा था, अचानक खाना परोस रहे सेवक के हाथ से थोड़ी सी सब्जी राजा के कपड़ों पर छलक गई। राजा की त्यौरियां चढ़ गयीं। जब सेवक ने यह देखा तो वह थोड़ा घबराया, लेकिन कुछ सोचकर उसने प्याले की बची सारी सब्जी भी राजा के कपड़ों पर उड़ेल दी। अब तो राजा के क्रोध की सीमा न रही। उसने सेवक से पूछा, तुमने ऐसा करने का दुस्साहस कैसे किया? सेवक ने अत्यंत शांत भाव से उत्तर दिया, महाराज! पहले आपका गुस्सा देखकर मैंने समझ लिया था कि अब जान नहीं बचेगी। लेकिन फिर सोचा कि लोग कहेंगे की राजा ने छोटी सी गलती पर एक बेगुनाह को मौत की सजा दी। ऐसे में आपकी बदनामी होती। तब मैंने सोचा कि सारी सब्जी ही उड़ेल दूं, ताकि दुनिया आपको बदनाम न करे और मुझे ही अपराधी समझे। राजा को उसके जबाव में एक गंभीर संदेश के दर्शन हुए और पता चला कि सेवक भाव कितना कठिन है। जो समर्पित भाव से सेवा करता है उससे कभी गलती भी हो सकती है फिर चाहे वह सेवक हो, मित्र हो, या परिवार का कोई सदस्य, ऐसे समर्पित लोगों की गलतियों पर नाराज न होकर उनके प्रेम व समर्पण का सम्मान करना चाहिए, क्योंकि ये ही लोग हमारे सच्चे हितैषी और सेवक होते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

भाजपा-कांग्रेस के लिए खट्टे-मीठे नतीजे

महाराष्ट्र में भाजपा की शानदार जीत, लेकिन झारखंड में आईएनडीआईए के पाले में गेंद आना भाजपा और कांग्रेस के लिए इन दोनों राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजे कुछ खट्टे और कुछ मीठे रहे। बेशक महाराष्ट्र में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा लेकिन भाजपा को भी झारखंड में मिली हार का गंभीरता से मंथन करना चाहिए। आखिर वहां क्यों नहीं मोदी मैजिक चला? वहां क्यों नहीं मोदी का 'एक रहोगे तो सेफ रहोगे' का मंत्र काम आया? क्या मतदाता धर्म और जाति की भावनाओं से ऊपर उठकर अपने कीमती मत का प्रयोग करता है? दोनों दलों के लिए ये चुनाव मंथन के विषय छोड़ गए हैं। दोनों दलों को ऐसी नीति अपनानी पड़ेगी जिससे दोबारा हार का सामना न करना पड़े।

- मंजीत बहल

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

उस सूक्ष्माति सूक्ष्म आत्मा की मूर्ति है-गुण और कर्मों का बना हुआ लिंग शरीर। उसे ही क्रिया शक्ति प्रधान सूत्रात्मा और ज्ञान शक्ति प्रधान महतत्व कहते हैं। यह जीव काल रूप परमेश्वर के अधीन होकर जन्म मृत्यु रूप संसार में भटकने लगता है। जीवात्मा ही इस मनुष्य शरीर में अहं अर्थात् हम या मैं शब्द का वाच्य है। जब शुद्ध आत्मा माया के गुणों को स्वीकार करके शरीर में अहं भाव कर लेता है तब उसकी संज्ञा 'जीव' हो जाती है। **देह का** स्वरूपः मूल प्रकृति, महतत्व, अहंकार, पांच तन्मात्रा इन आठ तत्वों को प्रकृति बतलाया गया है। उनके तीन गुण हैं सत्व, रज, तम तथा उनके 16 विकार हैं- दस इन्द्रियां, एक मन और पांच महाभूत। इन सब में एक पुरुष तत्व अनुगत हैं। इन सबका समुदाय ही देह है। यह दो प्रकार का है-स्थावर और जंगम। यह शरीर जीव का एक मनोमय चक्र (रथ का पहिया) है। दस इन्द्रियां और पांच प्राण ये पन्द्रह इसके अरे हैं। सत्व रजऔर तम ये तीन गुण इसकी नाभि हैं। पृथ्वी जल तेज वायु आकाश मन बुद्धि और अहंकार ये आठ इसमें नेमि (पहिये का घेरा) हैं। स्वयं माया इसका संचालन करती है और यह बिजली से भी अधिक शीघ्रगामी है। इस चक्र के धुरे हैं स्वयं परमात्मा। वे ही एकमात्र सत्य हैं। **क्रमशः**

करंट अफेयर

हर दिन औसतन 140 महिलाओं की हत्या

महिलाओं के लिए घर ही सबसे घातक जगह बन गए हैं और संयुक्त राष्ट्र की दो एजेंसियों ने सोमवार को बताया कि पिछले वर्ष प्रतिदिन औसतन 140 महिलाओं तथा लड़कियों की हत्या उनके घरों में ही अंतरंग साथी या परिवार के सदस्य द्वारा की गई है। संयुक्त राष्ट्र महिला (यूएन वूमन) और संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएन ऑफिस ऑफ ड्रग्स एंड क्राइम) ने कहा कि वैश्विक स्तर पर, 2023 के दौरान लगभग 51,100 महिलाओं और लड़कियों की मौत के लिए उनका अंतरंग साथी या परिवार का सदस्य जिम्मेदार रहा, जबकि 2022 में यह आंकड़ा अनुमानित तौर पर 48,800 था। महिलाओं के विरुद्ध हिंसा उन्मूलन के अंतरराष्ट्रीय दिवस पर जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि यह वृद्धि हत्याओं के अधिक होने का नहीं बल्कि मुख्य रूप से देशों से अधिक आंकड़े उपलब्ध होने का परिणाम है। दोनों एजेंसियों ने इस बात पर जोर दिया कि 'हर जगह महिलाएं और लड़कियां लिंग आधारित हिंसा के इस चरम रूप से प्रभावित हो रही हैं और कोई भी क्षेत्र इससे अछूता नहीं है। घर महिलाओं और लड़कियों के लिए सबसे खतरनाक जगह है।'

ऑफ बीट

हिमखंड समुद्र की सतह में ला सकते हैं उथल-पुथल

हिमखंड तब बनते हैं जब ग्लेशियरों और तैरती बर्फ की परतों से बर्फ के टुकड़े टूटते हैं। वे कई आकारों में मौजूद होते हैं, छोटी संरचनाएं जिन्हें 'ग्रोलर' कहा जाता है और 'बर्गी बिट्स' (जो समुद्र स्तर से 5 मीटर तक बढ़ी हुई होती हैं) के रूप में जाना जाता है, से लेकर बड़े हिमखंडों तक जिन्हें उपयुक्त रूप से 'विशालकाय' कहा जाता है। वर्ष 2000 में, अंटार्कटिका के सबसे बड़े हिमखंडों में से एक, जिसे बी-15 कहा जाता है, का सतह क्षेत्र लगभग जमैका के समान आकार का था। तब से, बी-15 कई छोटे टुकड़ों में टूट गया है और अधिकांश पिघल गए हैं। पहले से ही तैरती बर्फ की शेल्फ से टूटने वाले हिमखंड पिघलने पर समुद्र के पानी को विस्थापित नहीं करते हैं, जैसे बर्फ के टुकड़े पिघलने से एक गिलास में तरल स्तर नहीं बढ़ता है। लेकिन जब एक बर्फ की शेल्फ ढह जाती है, तो यह अंतर्देशीय हिमनदी बर्फ को रोक नहीं पाती है। यह अंतर्देशीय बर्फ तब तेजी से आगे बढ़ेगी और तेजी से नए हिमखंडों को छोड़ सकती है, जो समुद्र के पानी को विस्थापित करते हैं और समुद्र के स्तर में वृद्धि में योगदान करते हैं। 2022 में, अंटार्कटिका का कांगर बर्फ शेल्फ ढह गया।

साल 2025 में कब लगेगा सूर्य और चंद्र ग्रहण?

हिंदू धर्म में ग्रहण को शुभ नहीं माना गया है। चंद्र ग्रहण हो या सूर्य ग्रहण दोनों ही ग्रहणकाल में शुभ कार्यों को करने की मनाही होती है। ग्रहण के दौरान मंदिर तक के कपाट बंद कर दिए जाते हैं। रसोईघर में जुड़े सारे काम बंद हो जाते हैं। खाना-पीना भी वर्जित होता है। कहते हैं कि ग्रहण के समय मंत्रों का उच्चारण करना चाहिए इससे ग्रहण का दुष्प्रभाव कम होता है।

सूर्य ग्रहण 2025 : पहला सूर्य ग्रहण 29 मार्च और दूसरा सूर्य ग्रहण 21 सितम्बर 2025 को लगेगा। यह सूर्य ग्रहण भारत में नहीं दिखाई देगा इसलिए सूतक काल भी मान्य नहीं होगा।

चंद्र ग्रहण 2025 : साल 2025 का पहला चंद्र ग्रहण 14 मार्च को लगने वाला है। यह ग्रहण भारतीय समयानुसार सुबह 10 बजकर 41 मिनट से दोपहर 2 बजकर 18 मिनट तक रहेगा। यह भारत में दिखाई नहीं देगा। वहीं दूसरा चंद्र ग्रहण 7 सितंबर 2025 को लगेगा। यह चंद्र ग्रहण भारत में भी नजर आएगा, इसलिए इसका सूतक काल मान्य होगा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री
साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 27/11/2024

सूर्योदय : 06:59 **सूर्यास्त** : 17:29 **चन्द्रोदय** : 03:18 **चन्द्रास्त** : 14:59**शक सम्वत** : 1946 क्रोधी**अमान्ता महीना** : कार्तिक **पूर्णिमांत** : मार्गशीर्ष **सूर्य राशि** : वृश्चिक **चन्द्र राशि** : कन्या **पक्ष** : कृष्ण **तिथि** : द्वादशी, 30:23 तक **वार** : बुधवार **चन्द्रमास मार्गशीर्ष** : पूर्णिमान्त **विक्रम सम्वत** : 2081 पिङ्गल **कार्तिक** : अमान्त **गुजराती सम्वत** : 2081 नल

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : चित्रा, 31:29 तक
योग : आयुष्मान, 15:10 तक
प्रथम चरण : कौवाला, 17:06 तक
द्वितिय करण : तैतिल, 30:23 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	05:06 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:33 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	01:54 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	05:21 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	05:24 पी एम से
अमृत काल	12:24 ए एम, नवम्बर 28 से
निशिता मुहूर्त	11:42 पी एम से

निवास और शूल
दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : केतु
कुंभ चक्र: कण्ठ

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 06:59 - 08:17	उद्वेग	: 17:28 - 19:09
अमृत	: 08:17 - 09:36	शुभ	: 19:09 - 20:51
काल काल वेला	: 09:36 - 10:54	अमृत	: 20:51 - 22:32
शुभ	: 10:54 - 12:13	चर	: 22:32 - 00:13
रोग वार वेला	: 12:13 - 13:32	रोग	: 00:13 - 01:55
उद्वेग	: 13:32 - 14:50	काल	: 01:55 - 03:36
चर	: 14:50 - 16:09	लाभ	: 03:36 - 05:18
लाभ	: 16:09 - 17:28	उद्वेग	: 05:18 - 06:59

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज द्वादशी

आज कौन सा कार्य करें

द्वादशी : यात्रादि को छोड़कर सभी धार्मिक शुभ कार्य किये जा सकते हैं।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

मार्गशीर्ष, कृष्ण, द्वादशी, 2081 बुधवार, 27 नवम्बर - 3 दिसम्बर, 2024

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

मुख्यमंत्री ने की स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा-लगभग साढ़े 20 हजार पदों पर हुई नियुक्तियां, 18 हजार कार्मिकों को मिली पदोन्नति

शिक्षा के क्षेत्र में राज्य को बनाएंगे मॉडल स्टेट-शर्मा

विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में शिक्षा की अहम भूमिका

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में शिक्षा की अहम भूमिका है, क्योंकि आज के बच्चे ही भविष्य के नागरिक होते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए नवीन तकनीकों का उपयोग करने के साथ ही, खाली पदों पर भर्ती तथा स्कूलों में कक्षा-कक्षों का निर्माण कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि हम नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने तथा शिक्षा के क्षेत्र में राजस्थान को मॉडल स्टेट बनाने हेतु विभिन्न स्तरों पर कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को विभागीय बजट घोषणाओं को त्वरित गति से पूरा करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में शिक्षण कार्य सुचारू रूप से चले इस हेतु सत्र के प्रारंभ में ही विद्यार्थियों को लगभग साढ़े 3 करोड़ पाठ्यपुस्तकों का निःशुल्क वितरण किया गया है तथा कक्षा 1 से 8 के समस्त विद्यार्थियों एवं 9 से 12 तक की बालिकाओं को स्कूल बैग दिए जाएंगे। शर्मा ने कहा कि आगामी माह में 1 लाख 25 हजार बालिकाओं को साइकिल वितरित की जाएगी।

लगभग साढ़े 20 हजार पदों पर दी गई नियुक्तियां

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सभी विद्यालयों में शिक्षण की गुणवत्ता बेहतरीन करने हेतु सरकार खाली पदों पर भर्ती कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में अब तक लगभग साढ़े 20 हजार पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं तथा लगभग 18 हजार पदों पर पदोन्नति की गई है। प्राथमिक स्कूल शिक्षा, पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड 2 एवं ग्रेड 3 तथा वरिष्ठ अध्यापक के कुल 5 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया धीन है। साथ ही, विभिन्न संवर्गों में चयनित 515 अभ्यर्थियों को दिसम्बर माह में नियुक्तियां दे दी जाएंगी। उन्होंने अधिकारियों को रिक्त पदों पर चरणबद्ध रूप से भर्ती करने के निर्देश दिए।

विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर विद्यालयों में लगाए जाएं शिक्षक

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य के सभी स्कूलों में शिक्षकों और विद्यार्थियों की संख्या का सर्वे करवाकर विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में शिक्षकों की नियुक्ति की जाए। उन्होंने कहा कि राज्य के सरकारी एवं निजी विद्यालयों में ड्रेस कोड में एकरूपता लाई जाए। मुख्यमंत्री ने स्कूलों में कक्षा कक्षों तथा बालिका विद्यालयों में शौचालयों की स्थिति का भौतिक सत्यापन कर आवश्यकतानुसार उनकी मरम्मत और नव निर्माण करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भौतिक सत्यापन के कार्य में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। शर्मा ने विद्यालयों में सुरक्षा और अनुशासन बनाए रखने की दृष्टि से चरणबद्ध रूप से सीसीटीवी कैमरे लगवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस कार्य में भामाशाहों का भी सहयोग लिया जाए। बैठक में शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल ने मुख्यमंत्री को स्कूल शिक्षा विभाग की विभिन्न उपलब्धियों और नवाचारों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत विभाग को 12 हजार 400 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। हरियालो राजस्थान तथा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विभाग द्वारा रिकॉर्ड संख्या में वृक्षारोपण किया गया। साथ ही राज्य के 1.34 करोड़ विद्यार्थियों ने सूर्य नमस्कार कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। इसके अतिरिक्त, विभाग द्वारा शाला स्वास्थ्य सर्वेक्षण प्रखर राजस्थान रीडिंग कैम्पेन, पीएमश्री विद्यालय, शाला सम्बलन एप, खेल प्रतियोगिता एवं ई-पाठशाला कार्यक्रम सहित अन्य नवाचार भी किए जा रहे हैं। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

लेखन के नैतिक पहलुओं पर होगा विचार-विमर्श

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान कृषि अनुसन्धान संस्थान दुर्गापुरा में सात दिवसीय वैज्ञानिक और तकनीकी लेखन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रिंसिपल सेक्रेटरी राजस्थान राजन विशाल एवं श्री करण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बल राज सिंह एवं चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान की डायरेक्टर प्रोफेसर सपना ए नरूला थे।

वैज्ञानिक और तकनीकी लेखन कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों की वैज्ञानिक और तकनीकी जानकारी को स्पष्ट और संक्षिप्त तरीके से व्यक्त करने की क्षमता को बढ़ाना है। कार्यशाला में लेखन के आवश्यक पहलुओं को शामिल किया गया है, जिसमें संरचना, शैली और उचित शब्दावली का उपयोग शामिल है। प्रतिभागी व्यावहारिक अभ्यासों में शामिल होंगे जो वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों को दर्शाते हैं, जिससे उन्हें अपने लेखन कौशल को विकसित और परिष्कृत करने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम में वैज्ञानिक लेखन के नैतिक पहलुओं जैसे साहित्यिक चोरी, डेटा अखंडता और उचित उद्धरण प्रथाओं पर भी गहन विचार किया जायेगा। कार्यक्रम के अंत तक, प्रतिभागी शोध पत्र, अनुदान प्रस्ताव, तकनीकी रिपोर्ट और उपयोगकर्ता मैनुअल सहित विभिन्न प्रकार के दस्तावेज़ तैयार करने में कुशल हो जाएँगे। यह व्यापक दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि प्रतिभागी वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्रों में पेशेवर और अकादमिक लेखन की मांगों को पूरा करने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं। कार्यक्रम में डायरेक्टर राजस्थान कृषि अनुसन्धान संस्थान दुर्गापुरा, जयपुर डॉ. सुनीता गुप्ता, डीन, कृषि महाविद्यालय झिलाई डॉ. आर. एस. मीना, कार्यशाला के समन्वयक डॉ. अनीता चौधरी, डॉ. भारती शोकीन, डॉ.वेद प्रकाश यादव, डॉ. रानी सक्सेना, डॉ. विजय पाराशर, डॉ. सौरव सिंगला एवं सभी विभागाध्यक्ष सहित शैक्षणिक कर्मचारी उपस्थित थे।

कुलदीप, केपी ज्योतिष सम्मेलन में सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। इंजीनियर कुलदीप शर्मा वैदिक ज्योतिषी और केपी विशेषज्ञ को ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ एस्ट्रोलॉजर्स सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. अरुण बंसल और आईआईएमटी, मेरठ के चांसलर प्रोफेसर योगेश मोहन गुप्ता द्वारा मेरठ विश्वविद्यालय परिसर में ज्योतिष सम्मेलन के दौरान सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम आईआईएमटी, मेरठ द्वारा प्रायोजित था।

सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर बैठक आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। हिंदू युवा वाहिनी के प्रदेश कार्यालय पर सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन के निमित्त मीटिंग हुई मीटिंग में कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए कार्यक्रम से संबंधित कुछ कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां बांटी गई मीटिंग विसर्जन के बाद सब कार्यकर्ताओं को दाल बाटी एवं केसर बाटी प्रसादी का वितरण किया गया हिंदू युवा वाहिनी के प्रदेश प्रमुख केशव अरोड़ा ने बताया कि सर्व हिंदू समाज को एक करने के लिए यह सर्वजातीय विवाह सम्मेलन करवाया जाता है हमारा उद्देश्य सर्व समाज में समरसता की भावना बढ़ाना है मीटिंग में गणपत लाल खुराना करमचंद जग्गा अविनाश जुनेजा द्वारका प्रसाद गुप्ता सत्यनारायण सुल्तानिया आचार्य पंडित विष्णु भारद्वाज विपुल लोकेश्वर शर्मा हजारी चौधरी विष्णु यादव कुलदीप यादव गोविंद चौधरी विकास शर्मा प्रकाश ग्रोवर मनीष बागला के के भटनागर अशोक कुमावत निखिल खंडेलवाल विष्णु प्रताप सिंह सुशील अग्रवाल उर्मिला सिंह उर्मिला कंवर किरण चौधरी सोनाली राजपूत रेनू गुप्ता ममता शर्मा उपस्थित रहे।

मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर में उत्कृष्टता का जश्न

एमयूजे उत्कृष्टता पुरस्कार से 115 संकाय सदस्य सम्मानित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर में एमयूजे उत्कृष्टता पुरस्कार-2024के उपलक्ष्य में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें शैक्षणिक, अनुसंधान, प्रशासन और संस्थागत निर्माण के क्षेत्र में अपना उत्कृष्ट योगदान देने हेतु कुल 115 संकाय सदस्यों को सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम वसंती आर. पाई सभागार में आयोजित हुआ।

गौरतलब है कि मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर में अपना उत्कृष्ट योगदान देने और महत्वपूर्ण उपलब्धियों को हासिल करने वाले शिक्षकों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने हेतु प्रशंसा पुरस्कार दिया जाता है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न क्षेत्रों में अपना अमूल्य योगदान देने हेतु वृत्तिगत उत्कृष्टता के लिए डा. रामदास एम. पई पुरस्कार वितरित किया गया। अपने स्वागत भाषण में, एमयूजे के हेड एचआर, एमएस श्रीधर ने बताया कि पुरस्कार की यह श्रेणी 9-बॉक्स मॉडल पर बनाई गई है, जिसमें व्यक्ति के प्रदर्शन और क्षमता के आधार पर मूल्यांकन होता है। उन्होंने यह भी कहा कि एमयूजे भारत में इस तरह के पुरस्कार की शुरुआत करने वाला पहला विश्वविद्यालय है। अकादमिक क्षेत्र में उत्कृष्टता के इस मॉडल के निर्माण और विश्वविद्यालय के विकास में अपना निरंतर सकारात्मक सहयोग और योगदान देने के लिए एमयूजे के चेयरपर्सन वैथीस्वरन और मणिपाल ग्रुप के सीएचआरओ और अकादमिक अध्यक्ष निशीथ महांती के प्रति हेड एचआर श्रीधर ने अपना हार्दिक आभार व्यक्त किया। एमयूजे के कुलपति डॉ. एन.एन. शर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि अपने कार्य के प्रति निरंतर सजग और समर्मित भाव से कार्यरत रहना ही उत्कृष्टता और सफलता की कुंजी है। पिछले 13 वर्षों में, अकादमिक और अनुसंधान के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता के लिए एमयूजे सबसे अधिक लोकप्रिय विश्वविद्यालय बन गया है। उन्होंने संस्थापक अध्यक्ष डॉ. रामदास एम. पई और प्रमोटर डॉ. रंजन पई के मूल्यों और दृष्टिकोण को भी साझा किया और कहा कि सभी कर्मचारियों को संस्थान की बेहतरी के लिए इन मूल्यों सें जुड़कर कार्य करना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी से किसान आयोग अध्यक्ष सीआर चौधरी ने की मुलाकात

» **जागरूक जनता @ जयपुर।** केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी के दिल्ली स्थित कृषि भवन कार्यालय में राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष सीआर चौधरी ने मुलाकात की। इस दौरान प्रदेश के खेती-किसानी से जुड़े अहम मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुलाकात के बाद केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार 'उन्नत कृषि - समृद्ध किसान' के मूलमंत्र के साथ काम कर रही है। केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री ने कहा कि कृषि क्षेत्र में सुधार और किसानों की आय बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाओं पर तेजी से काम किया जा रहा है। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने राजस्थान के किसानों की समस्याओं और उनके समाधान पर चर्चा की।

मधुमेह एवं मोटापा दिवस पर वाल्काथान आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। डॉ मेधावी न्यूट्रिफिट एवं गौतम हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के संयुक्त तत्वाधान में "मधुमेह एवं मोटापा दिवस" के अवसर पर वाल्काथॉन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि चीफ कमिश्नर इनकम टैक्स, रोली अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर इस वाल्काथॉन का शुभारंभ किया। गौतम हॉस्पिटल की सीईओ राज्यश्री गौतम ने सबका स्वागत किया, मुख्य अतिथि रोली अग्रवाल ने बताया कि खानपान का असंतुलन एवं हमारी जीवन शैली मोटापा एवं मधुमेह रोग का मुख्या कारन है। उन्होंने डॉक्टर मेधावी के जन जागरण हेतु किये गए इस कदम को सराहनीय बताया। डॉ मेधावी न्यूट्रिफिट के संस्थापक एवं निदेशक डॉ मेधावी दीक्षित ने बताया कि दुनिया में भारत मधुमेय में नंबर एक, बच्चों में मोटापे में दूसरे नंबर पर है। भारत कुपोषण के तिहरे बोझ से ग्रसित है। यह एक चिंता जनक स्थिति है। इस अवसर पर प्रतिभागियों का निशुल्क ब्लड शुगर, बॉडी कंपोजिशन एंड हैंड क्लिप की जाँच की गई। 4 किलोमीटर की इस वाक में शहर की गणमान्य लोग शामिल हुए जिसमें मुख्य रूप से विद्या जैन, साधना गर्ग, डॉ अनीता गौतम, डॉ निशांत दीक्षित, डॉ सचिन शर्मा, सरिता सिंह, दीपा माथुर, रानू श्रीवास्तव, शिल्पी शाह, शिल्पा सारा, रितु शर्मा, योजना सिंह, अर्चना डालमिया, गुंजन पाटोदिया, डॉ महिमा शर्मा एवं मैराथन रनर मेनू लुनिया, एडवोकेट प्रियदर्शनी सिंह, रितु मेहरा एवं जेवियर कॉलेज नेवटा के छात्र-छात्राएं भी शामिल हुए। डॉ महिमा गौतम ने आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

मुरलीपुरा स्कीम में ज्योति कलश रथ यात्रा का भव्य किया स्वागत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वावधान में गंगा की गोद, हिमालय की छाया में बसे गायत्री तीर्थ शान्तिकुंज हरिद्वार से देश के 2400 तीर्थों के पवित्र जल-रज के साथ ज्योति कलश रथ यात्रा रविवार, 24 नवंबर को मुरलीपुरा क्षेत्र में पहुंची। जहां पर जय हिन्द शुभकामना ग्रुप, बाबा मेहरदास ट्रस्ट, पूज्य सिंधी पंचायत, सहित अनेक संस्थाओ के साथ स्थानीय पार्षद दीपमाला शर्मा के साथ स्थानीय नागरिकों ने रथ यात्रा का पुष्प वर्षा कर बैंड बाजा के साथ स्वागत किया तथा कलश की आरती उतारी गई। समाजसेवी नगेन्द्र वशिष्ठ ने बताया कि यह कलश यात्रा संपूर्ण देश में निकाली जा रही हैं जिसके फलस्वरूप जयपुर में भी यह कलश यात्रा निकली जा रही हैं। यात्रा के स्वागत कार्यक्रम में भाजपा नेता शैलेन्द्र शर्मा, मुकेश जोशी, लोक चंद हरिरामानी, गोपाल शर्मा, पंकज रायचंदानी, काशी नाथ दीक्षित, नरेन्द्र गुप्ता,पार्षद कमलेश,सहित अन्य स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

इस बार का ऊंट उत्सव रहेगा खास, नौ से 12 जनवरी तक रहेगी कार्यक्रमों की धूम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बीकानेर। अंतरराष्ट्रीय ऊंट उत्सव 2025 को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस बार भी कार्यर म के दौरान कई तरह के नवाचार किए जाएंगे। जूनागढ़ परिसर में कल्चरल नाइट का आयोजन होगा। इस संबंध में कलक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में अंतरराष्ट्रीय ऊंट उत्सव 9 से 12 जनवरी तक आयोजित करने का प्रस्ताव दिया गया। बैठक के दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) डॉ. दुलीचंद मीना, अतिरिक्त जिला कलक्टर (शहर) रमेश देव, सीईओ जिला परिषद सोहनलाल सहित पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने उत्सव की रूपरेखा के संबंध में विस्तार से चर्चा की। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ. मीना ने कहा कि उत्सव के माध्यम से वैश्विक टूरिज्म में बीकानेर को नई पहचान मिल रही है। इस आयोजन से स्थानीय कला और संस्कृति को जोड़ा जाएगा। यहां के पारंपरिक वेशभूषा और खान-पान से जुड़े पक्ष भी इसमें शामिल किए जाने चाहिए। एडीएम सिटी रमेश देव ने कहा कि बीकानेर के विभिन्न सांस्कृतिक संगठनों को इस उत्सव के आयोजन में भागीदार बनाएं। स्थानीय कलाकारों को भी यहां मंच उपलब्ध हो सके, इसके लिए नई गतिविधियां शामिल करें।

सोशल मीडिया की दुनिया बाहरी तौर पर तो बहुत चमकदार दिखती है। उसके जरिए हमारे सैकड़ों-हजारों दोस्त भी बन जाते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि इसमें सक्रिय-खुशहाल दिखने वाले लोग अपने वास्तविक जीवन में बहुत अकेलापन महसूस करते हैं। पूरी दुनिया में कराए गए सर्वे से यह साबित होता है। इसकी वजहों को जानकर ही हम अपने जीवन से अकेलेपन को दूर कर सकते हैं।

सोशल मीडिया की भीड़ में बढ़ता जा रहा अकेलापन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

गीतकार साहिर लुधियानवी का फिल्म 'बहू-बेटी' के लिए लिखा एक गीत है- सबमें शामिल हो मगर सबसे जुदा लगती हो/सिर्फ हमसे ही नहीं खुद से भी जुदा लगती हो।

कुछ ऐसी ही स्थिति सोशल मीडिया की इस भीड़ में लोगों का बढ़ता अकेलापन भी है। जी हां, सोशल मीडिया के इस दौर में भले कहने के लिए हम सबके पास आभासी दुनिया में दर्जनों या सैकड़ों नहीं बल्कि हजारों दोस्त हों, लेकिन हकीकत यही है कि आज इंसान जितना अकेलेपन का शिकार है, अब तक के इतिहास में इससे ज्यादा कभी नहीं रहा। यह किसी एक व्यक्ति या लेखक का अनुभव भर नहीं है बल्कि दर्जनों ऐसे विस्तृत शोध हुए हैं, जो इस बात को साबित करते हैं कि जैसे-जैसे सोशल मीडिया की चकाचौंध, उसमें भीड़ बढ़ी है, वैसे-वैसे हकीकत में लोगों के बीच अकेलापन पसरता जा रहा है।

कॉन्फिडेंस में आती है कमी: साल 2020 में पोलोज वन जर्नल में भी एक अध्ययन इस संबंध में प्रकाशित हुआ, जिसमें पाया गया कि जिन युवाओं ने सोशल मीडिया पर अत्यधिक समय बिताया, उनमें सामाजिक अलगाव और अकेलेपन की भावनाएं कहीं ज्यादा प्रबल थीं, बनिस्बत उन लोगों के जो सोशल मीडिया से दूर थे। यूनिसेफ की 2017 में आई एक रिपोर्ट ऐसा ही कुछ कहती है। इसके मुताबिक सोशल मीडिया और डिजिटल कनेक्टिविटी के बढ़ते उपयोग के साथ युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं जैसे अवसाद, चिंता और अकेलेपन में बढ़ोत्तरी हुई है, विशेषकर लड़कियों में, क्योंकि वे सोशल मीडिया में अधिक समय बिताती हैं। फेसबुक और इंस्टाग्राम के एक आतंरिक शोध में भी यह पाया गया है कि इंस्टाग्राम का उपयोग करने वाले कई युवा खास करके लड़कियां अपने जीवन और शरीर की तुलना दूसरे लोगों से करती हैं, जिस कारण उनमें जबर्दस्त असंतोष और आत्मसम्मान में बेहद कमी आ जाती है, जिस कारण अंततः वे अकेलेपन और अवसाद का शिकार होने लगती हैं। इस संबंध में इनकी आतंरिक रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया था कि सोशल मीडिया खासकर इंस्टाग्राम ने इसमें शामिल 1/3 युवा लड़कियों के आत्मविश्वास को कम किया है।

इस संबंध में वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2020 भी इसी निष्कर्ष पर पहुंचती है और साल 2019 में ऑस्ट्रेलिया में हुआ ऐसा ही एक सर्वेक्षण बताता है कि 16 से 25 साल की उम्र के 50 प्रतिशत से ज्यादा युवक अकेलापन महसूस करते हैं, विशेषकर वे जो सोशल मीडिया में अत्यधिक सक्रिय हैं। कई और भी ऐसे अध्ययन हैं, जो इस बात की पुष्टि करते हैं कि जो लोग सोशल मीडिया में जितना ज्यादा सक्रिय होते हैं, उनकी वास्तविक जिंदगी में उतना ही ज्यादा अकेलापन होता है।

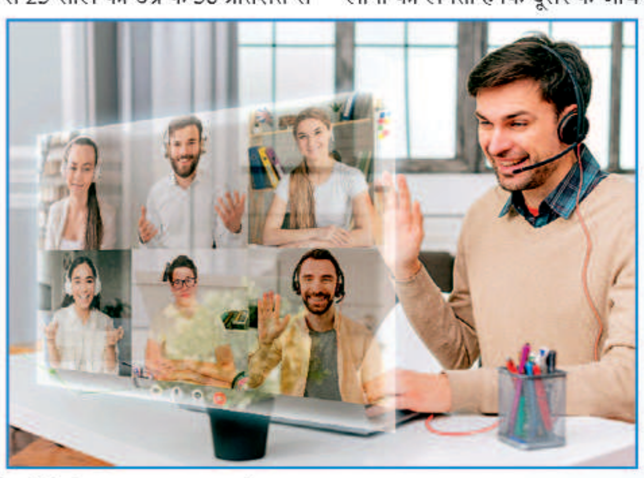

बढ़ते अकेलेपन के कारण: सवाल है आखिर सोशल मीडिया ने लोगों के बीच इस कदर अकेलापन क्यों बढ़ाया है? वास्तव में इसके एक नहीं अनेक कारण हैं। मसलन, सोशल मीडिया के संबंध बेहद सतही स्तर के संबंध होते हैं, जिनका वास्तविक दुनिया से कुछ भी लेना-देना नहीं होता या फिर बहुत कम होता है। वास्तव में ये संबंध या दोस्ती 'लाइक', 'कमेंट' और 'शेयर' जैसी गतिविधियों तक ही सीमित रहते हैं। ऐसे संबंधों में लोग गहरे और भावनात्मक रिश्ते या रिश्तों की अनुभूति नहीं महसूसते।

आमतौर पर ये इंटरेक्शन बेहद तात्कालिक होते हैं। लोगों में भावनात्मक जुड़ाव बहुत कम होता है। भले हम सोशल मीडिया में घंटों सक्रिय रहें, लेकिन यह बात तो तय है कि सोशल मीडिया का संवाद वास्तविक संवाद नहीं होता। यहां लोग रटे रटाए संदेशों, इमोजी जैसे चिन्हों के जरिए ही संवाद करने की कोशिश करते हैं, जो कभी भी गहरे नहीं उतर पाते और ना ही कभी किसी को वास्तविक रूप से प्रभावित करते हैं, जिससे लोगों में व्यक्तिगत, गहरे और भावनात्मक संबंध विकसित नहीं होते। जिस कारण भले वे एक-दूसरे के साथ इंटरेक्ट करते हुए दिखते हों, लेकिन होते अकेले ही हैं। सोशल मीडिया में तुलना किए जाने का भी एक जबर्दस्त असुरक्षाबोध है। चूंकि यहां अधिकांश लोग अपनी जिंदगी का सकारात्मक और चमकदार पक्ष ही दिखाते हैं, सिर्फ अपनी छुट्टियों और अच्छे पलों को ही साझा करते हैं। यहां लोग अपनी परेशानियों और जीवन के कमतर पक्षों को सार्वजनिक नहीं करते, इस कारण उनसे दो-चार होने वाले लोगों को लगता है कि दूसरे के जीवन में तो सब कुछ अच्छा ही अच्छा है, लेकिन मेरे जीवन में इतना अच्छा सब कुछ नहीं है। इससे लोगों में एक खास तरह की असुरक्षा, अवसाद और अकेलेपन की भावना बढ़ती है। सोशल मीडिया में लगातार सक्रिय रहने वाले लोगों में 'फियर ऑफ मिसिंग आउट' की समस्या भी देखी जाती है। लोगों को यहां दूसरों की प्रोफाइल देखकर लगता है कि उनके मुकाबले वे अपनी जिंदगी का कुछ महत्वपूर्ण मिस कर रहे हैं। इस भावना के हावी हो जाने के चलते लोगों में एक खास तरह का नीरसपन छाने लगता है, जो अंततः अकेलेपन की भावना को बढ़ाता है।

रहना चाहिए सजग: अकेलेपन की समस्याओं से बचने के लिए हमें डिजिटल इंटरेक्शन की सीमाओं का भी ध्यान रखना चाहिए। वास्तव में सोशल मीडिया में जब हम बहुत ज्यादा सक्रिय होते हैं, तो असल जिंदगी में लोगों से काफी ज्यादा कट जाते हैं। लोगों से आमने-सामने की बातचीत लगातार कम होते हुए कई बार बिल्कुल ही नहीं हो पाती। जिस कारण हम लोगों से वास्तविक जिंदगी में बिल्कुल ही रूबरू नहीं होते। जब हम किसी से वास्तविक जिंदगी से कट जाते हैं, तब हम उससे भावनात्मक रूप से भी कनेक्ट नहीं हो पाते। जिस कारण हमारे जीवन में एक ऐसा अकेलापन बढ़ता जाता है, जो भले बहुत मामूली शुरुआत के साथ आया हो, लेकिन हर गुजरते दिन के साथ वह बड़ा और मजबूत होता जाता है।

हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि हम किसी से डिजिटल दुनिया में कितना ही नजदीक हो लें, लेकिन जब तक हम शारीरिक रूप से किसी से नजदीक नहीं होते, तो अपनेपन की वह फीलिंग नहीं आती, जो किसी के साथ आमने-सामने होने के बाद आती है। किसी को छूने, स्पर्श करने और उसके सामने बैठकर उसकी आंखों में आंखें डालकर देखने का जो सुख है, वह सुख तस्वीरें देखकर या की-बोर्ड से अच्छी-अच्छी बातें टाइप कर लेने भर से नहीं आता। इसलिए किसी के साथ दिल की गहराइयों वाले लगाव के लिए जरूरी है कि उसके साथ प्रत्यक्ष संबंध हों। जब सारे संबंध तस्वीरों के या डिजिटल के हों तो अंततः इनसे अकेलापन ही बढ़ता है। कुल मिलाकर सोशल मीडिया के संबंधों में इतना आभासीपन है कि किसी से गहरा और भावनात्मक रिश्ता बनता ही नहीं, जिस कारण हम सोशल मीडिया की भीड़ में रहते हुए भी अकेले रहते हैं। *

क्या कहते हैं अकेलेपन से जुड़े सर्वे

साल 2018 और 2020 में अमेरिका में कराए गए सर्वे से सामने आया लोनलीनेस इंडेक्स बताता है कि लगभग 46 प्रतिशत लोग अपने आपको अकसर या ज्यादातर समय अकेला महसूस करते थे। इनमें से ज्यादातर वे लोग थे, जो सोशल मीडिया में अच्छे-खासे सक्रिय थे। लेकिन ऐसे लोग वास्तविक जीवन में काफी ज्यादा अकेलेपन का शिकार थे। इस सर्वे को अमेरिका की सिंगना नामक एक प्रमुख हेल्थ सर्विसेज कंपनी ने किया था। बाद में इसी सर्वे के पूरक के रूप में साल 2020 में भी एक सर्वे का परिणाम आया, जिसमें पता चला कि 'जेन जेड' यानी युवा वयस्कों के बीच सोशल मीडिया के उपयोग और अकेलेपन का एक गहरा संबंध है। 18 से 24 साल के 60 फीसदी से कहीं ज्यादा लोग अकेलेपन का शिकार पाए गए, जबकि दूसरी तरफ यही लोग सोशल मीडिया में काफी सक्रिय थे यानी, ज्यादा से ज्यादा समय बिताते थे। लेकिन उनके वास्तविक जीवन में गहरे रिश्तों की बेहद कमी थी। साल 2017 में एक ऐसा ही शोध वैश्विक दायरे को समेटकर हुआ। यह सर्वे अमेरिकन जर्नल ऑफ प्रिवेंटिव मेडिसिन (2017) में प्रकाशित हुआ था, जिसमें कहा गया था कि जो लोग सोशल मीडिया पर दिन में कम से कम दो घंटे बिताते हैं, वे उन लोगों की तुलना में अकेलेपन का कहीं ज्यादा शिकार होते हैं, जो सोशल मीडिया में समय नहीं बिताते या बहुत कम बिताते हैं।

प्रयागराज मानिकपुर तीसरी लाइन निर्माण सहित तीन परियोजनाओं को मिली मंजूरी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कनेक्टिविटी को बेहतर करने, यात्रा को आसान बनाना, लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना, तेल आयात को कम करना और CO2 उत्सर्जन को कम करने के लक्ष्य से कैबिनेट ने भारतीय रेलवे की तीन मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को दी मंजूरी परियोजनाओं से खंडों की मौजूदा लाइन क्षमता में वृद्धि और परिवहन नेटवर्क को बढ़ाकर लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार होगा, जिसके परिणामस्वरूप सुव्यवस्थित आपूर्ति श्रृंखला और त्वरित आर्थिक विकास होगा। तीनों परियोजनाओं की लागत 7,927 करोड़ रुपये (लगभग) है और इन्हें चार वर्षों में पूरा किया जाएगा। निर्माण अवधि के दौरान परियोजनाओं से लगभग एक लाख मानव-दिनों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार पैदा होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने आज 7,927 करोड़ रुपये (लगभग) की कुल लागत वाली रेल मंत्रालय की तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

परियोजनाएँ

- जलगांव - मनमाड चौथी लाइन (160 किमी)
- भुसावल - खंडवा तीसरी और चौथी लाइन (131 किमी)
- प्रयागराज (इरादतगंज)- मानिकपुर तीसरी लाइन (84 किमी)
- प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं से परिचालन आसान होगा और भीड़भाड़ कम होगी, जिससे मुंबई और प्रयागराज के बीच सबसे व्यस्त खंडों पर बहुत जरूरी बुनियादी ढांचागत विकास होगा।
- ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए भारत के विजन के अनुरूप हैं, जो क्षेत्र में व्यापक विकास के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को "आत्मनिर्भर" बनाएगा, जिससे उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। ये परियोजनाएं मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम हैं, जो एकीकृत योजना के माध्यम से संभव हुआ है और लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।

तीन राज्यों यानी महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के सात जिलों को कवर करने वाली तीन परियोजनाएं भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 639 किलोमीटर तक बढ़ा देंगी। प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाएं दो आकांक्षी जिलों (खंडवा और चित्रकूट) तक कनेक्टिविटी बढ़ाएंगी, जो लगभग 1,319 गांवों और लगभग 38 लाख आबादी को सेवा प्रदान करेंगी। प्रस्तावित परियोजनाओं से मुंबई-प्रयागराज-वाराणसी मार्ग पर अतिरिक्त यात्री ट्रेनों के संचालन को सक्षम करके कनेक्टिविटी बढ़ेगी, जिससे नासिक (त्र्यंबकेश्वर), खंडवा (ओंकारेश्वर) और वाराणसी (काशी विश्वनाथ) में ज्योतिर्लिंगों के साथ-साथ प्रयागराज, चित्रकूट, गया और शिरडी में धार्मिक स्थलों की यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों को लाभ होगा। इसके अतिरिक्त, परियोजनाएँ खजुराहो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, अजंता और एलोरा गुफाएँ यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, देवगिरी किला, असीरगढ़ किला, रीवा किला, यावल वन्यजीव अभयारण्य, केवटी जलप्रपात और पुरवा जलप्रपात आदि जैसे विभिन्न आकर्षणों तक बेहतर पहुँच के माध्यम से पर्यटन को बढ़ावा देंगी।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय में सी पी आर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

सीपीआर एक जीवन रक्षक प्रक्रिया है-प्रो. वैद्य प्रजापति

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के मार्गदर्शन में एक विशेष कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को सीपीआर (कार्डियोपल्मनरी रिससिटेशन) का प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजेश तातेड़ द्वारा किया गया, जिसमें लगभग 150 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को आपातकालीन चिकित्सा प्रक्रियाओं में दक्ष बनाना और सीपीआर तकनीक के महत्व को समझाना था। कार्यक्रम में समन्वयक की भूमिका डॉ. संकल्प शर्मा ने निभाई। उन्होंने छात्रों को सीपीआर के व्यावहारिक और सैद्धांतिक पहलुओं को सिखाने में सहयोग प्रदान किया। प्रशिक्षण के दौरान छात्रों ने हृदय गति रुकने की स्थिति में प्राथमिक चिकित्सा के तौर पर सीपीआर देने की सही विधि का अभ्यास किया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा, "सीपीआर एक जीवन रक्षक प्रक्रिया है, और इसे सीखना सभी के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयुर्वेदिक शिक्षा के साथ-साथ आधुनिक चिकित्सा प्रक्रियाओं में भी दक्षता प्रदान करते हैं।" कार्यक्रम के सफल आयोजन ने छात्रों के भीतर आत्मविश्वास और जागरूकता बढ़ाई। प्रतिभागियों ने इस अनुभव को उपयोगी और प्रेरणादायक बताया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस तरह के और भी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन की योजना बनाई है।

डेयरी महाविद्यालय में मनाया राष्ट्रीय दुग्ध दिवस

डेयरी उद्योग राजस्थान की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है-बलराज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। डेयरी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय जोबनेर में राष्ट्रीय दुग्ध दिवस आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविधालय के कुलपति डॉ बलराज सिंह ने की। उन्होंने बताया कि राजस्थान, भारत का एक ऐसा राज्य है जहां पशुपालन सदियों से लोगों का मुख्य व्यवसाय रहा है। यहां की अनुकूल जलवायु और विशाल चारागाहों ने डेयरी उद्योग को पनपने का अवसर दिया है। राज्य में दुग्ध उत्पादन लगातार बढ़ रहा है और यह राज्य देश के प्रमुख दुग्ध उत्पादक राज्यों में से एक है।

साथ ही उन्होंने डेयरी उद्योग की महत्ता को बताते हुए कहा कि डेयरी उद्योग राजस्थान की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यह लाखों किसानों को रोजगार प्रदान करता है और उनकी आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। डेयरी उत्पाद जैसे दूध, दही, पनीर आदि पोषण से भरपूर होते हैं और ये खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डेयरी उद्योग से जुड़े अन्य उद्योगों जैसे पैकेजिंग, परिवहन आदि को भी बढ़ावा मिलता है, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। उन्होंने बताया कि राजस्थान में उत्पादित दूध से विभिन्न प्रकार के डेयरी उत्पाद बनाए जाते हैं, जैसे दही, पनीर, घी, मक्खन आदि। इन उत्पादों का मूल्य संवर्धन करके उनकी बाजार में मांग और कीमत को बढ़ाया जा सकता है।

साथ ही उन्होंने डेयरी विज्ञान के छात्रों को भविष्य में स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान अधिष्ठाता डॉ. महेश दत्त ने डॉ. वर्गीज कुरियन के जीवन पर प्रकाश डाला एवं उनकी श्वेत क्रांति में योगदान की चर्चा की तथा भारत में दुग्ध उत्पादन की व्यापकता के बारे में विस्तार से बताया। इस कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए डेयरी प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। जिसमे श्रुति दाधीच, खुशबू कुमावत, तनु शर्मा, रितेश,तबरेज ख़ान को विजेता घोषित किया गया। कार्यक्रम का संचालन इंजीनियर अरविंद कुमावत ने किया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के सहायक प्राचार्य डॉ. अरुण प्रताप सिंह, डॉ. भूपेंद्र कास्वां, पारुल और डॉ. विनीता चौहान उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन एमपी इकाई संगठन को मजबूती के होंगे प्रयास

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

इंदौर। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन मध्य प्रदेश इकाई संगठन को मजबूती एवं प्रदेश के समस्त जिलों मे संगठन विस्तार हेतु प्रयत्नशील रहते हुये इंदौर स्थित होटल श्रीमाया ए. बी. रोड मे मध्य प्रदेश के कर्मठ सक्रिय पदाधिकारी गोविन्द गोयल राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं संजय मंगल जी प्रदेश अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल युवा सम्मेलन से मुलाक़ात की और उनसे पुरे प्रदेश मे प्रत्येक जिलों में संगठन विस्तार हेतु विस्तृत चर्चा की। उपस्थित सभी पदाधिकारीयों से संस्था के उदेश्यो,समाजहित के कार्यकलापो की वृस्तित जानकारी दी संस्था में नए सदस्यों के जोड़ने की चर्चा पर संजय मंगल एवं गोविन्द गोयल ने आश्वस्त किया की शीघ्र ही हम प्रदेश इकाई में सेकड़ो AAS के नए आजीवन सदस्य पंजीकृत करेंगे और अग्रवाल समाज के जन सेवा के कार्य को आगे बढ़ाएंगे।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को संभालते हुए मेने M P के सभी सदस्यों से आगामी 22 दिसंबर 2024 को अग्रोहा धाम में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी शपथ ग्रहण समारोह एवं मेल मिलाप कार्यक्रम के लिए मध्य प्रदेश से ज्यादा से ज्यादा सदस्यों को भागीदारी निभाने का आह्वान किया। मेरे साथ मेरी धर्मपत्नी वसुंधरा मित्तल राष्ट्रीय संरक्षिका अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल महिला सम्मेलन ने महिला विंग के विस्तार हेतु स्थानीय महिला सदस्यों से गहन चर्चा की।

हिन्दुस्तान ज़िंक द्वारा जिले में संचालित शिक्षा संबल कार्यक्रम की समीक्षा बैठक आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। हिंदुस्तान जिंक द्वारा सीएसआर के तहत् संचालित शिक्षा संबल कार्यक्रम के तहत् जिले के मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं 17 प्रोजेक्ट स्कूलों के प्रधानाध्यापकों के साथ समीक्षा बैठक का आयोजन कर वर्तमान में किये जा रहे प्रयासों और भविष्य के सहयोग पर मंथन किया गया। मीटिंग में मुख्य जिला अधिकारी कार्यालय से अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक लीला चतुर्वेदी,कार्यक्रम समन्वयक नफीज अहमद एवं 14 विद्यालयों के प्रधानाध्यापक सम्मिलित हुए। शिक्षा संबल कार्यक्रम से वर्तमान में जिले के 16 गांवों के 17 राजकीय विद्यालयों में विज्ञान, अंग्रेजी एवं गणित विषयों में सहयोग करते हुए कक्षा 6 से 12 के 1477 विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे है। उपस्थित अतिथियों को कार्यक्रम के तहत संचालित प्रयासों एवं उपलब्धियों से परिचित एवं बोर्ड परीक्षा परिणामों में सुधार के लिए आगामी योजनाओं से भी अवगत करवाया। बैठक में हिंदुस्तान जिंक की सीएसआर टीम से सुन्दर राज नायडू, रुचिका चावला, मयंक दर्जी एवं तन्वी सचदेवा उपस्थित थे। कार्यक्रम की साझीदार संस्था विद्या भवन से अरुण कुमार, आशीष चैरड़िया, भवानी भट्ट एवं कार्यक्रम की फील्ड समन्वयक ज्योति जोशी ने हिस्सा लिया। सभी प्रतिभागियों ने हिंदुस्तान जिंक एवं विद्या भवन के प्रयासों की सराहना की और साथ ही अपने-अपने विद्यालयों की वस्तुस्थिति एवं आवश्यकताओं से अवगत करवाया। लीला चतुर्वेदी ने उन विद्यालयों पर फोकस करने का सुझाव दिया जहाँ विषयाध्यापक नियुक्त नहीं है।

जागरूक खबरें

सुमन राठौड़ साहित्य सितारा सम्मान से सम्मानित

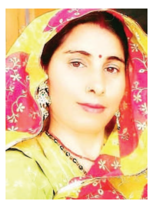

» जागरूक जनता @ झुंझुनूं। कलम बोलती है साहित्य संस्थान के स्थापना दिवस पर वर्ष 2024 में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में नियमित लेखन एवं अव्वल रहने वाले देश के कई साहित्यकारों को संस्था अध्यक्षा एवं कमेटी ने साहित्य सितारा सम्मान से सम्मानित किया है। शेखावाटी के ग्रामिण अंचल की इस बहू ने हिंदी साहित्य की कई प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले अब तक 180 से अधिक सम्मान पत्रों एवं प्रतिक चिन्हों से सम्मानित हो चुकी है। अध्यक्षा उमा वैष्णव ने सुमन को साहित्य सितारा सम्मान से सम्मानित करते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी ।

वृद्धाश्रम में खाद्य सामग्री व ऊनी वस्त्र वितरण

» जागरूक जनता @चित्तौड़गढ़। भारत विकास परिषद् महिला सहभागिता की ओर से सेगवा हाउसिंग बोर्ड स्थित वृद्धाश्रम में ऊनी वस्त्र एवं खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। प्रान्तीय महिला शाखा प्रमुख शशि सनाढ्य व अन्य महिलाओं की उपस्थिति में वृद्धाश्रम में सभी वृद्धों को दैनिक आवश्कता के सामान एवं ऊनी कम्बल का वितरण कर उनसे उनकी पारिवारिक समस्याओं के बारे में बातचीत की। कार्यर् म में अर्चना मोदानी, इन्द्रा काबरा, अलका जैन, अरूणा सुखवाल, सुमन कालिया, अंजु पगारिया, सरिता चेचानी ने सहयोग किया।

वीरांगना पूरी माँ का 313वाँ जन्मोत्सव 11 को

» जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़। हरिवंश कीर समाज द्वारा वीरांगना पूरी माँ का 313वाँ जन्मोत्सव 11 दिसंबर को मनाया जाएगा। कार्यर् म को लेकर किशनलाल कीर ने सांसद सीपी जोशी को निमंत्रण पत्र भेंट कर समाज के विषय में वार्ता की। जिस पर सांसद ने वीरांगना पुरी माँ कीर का पेनोरमा बनाने का आश्वासन दिया। इस मौके पर ओमप्रकाश, शंकरलाल, नारायणलाल, बाबुलाल, कालूलाल, भंवरलाल, जगमोहन लाल, कालूलाल आदि उपस्थित रहे।

महिलाओं को मिलेगी बस में टॉयलेट, सेनेटरी पैड जैसी सुविधा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बीकानेर। बीकानेर प्रदेश का पहला शहर बन गया है, जहां महिलाओं के लिए पिंक बस शौचालय की सुविधा की गई है। इस सुविधा से शहर के प्रमुख बाजारों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर महिलाओं के लिए हो रही शौचालय की असुविधा समाप्त होगी। निगम की ओर से चार पिंक बसे तैयार करवाई गई हैं, जिनमें से दो बसें निगम के मिल गई हैं। इन दो बसों की सुविधा मंगलवार से शहर में प्रारंभ हो गई। निगम ने मिनी बस चेसिस पर बनी इन पिंक बसों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त किया गया है।

कलात्मक चित्रकारी

पिंक बस महिला शौचालय के बाहरी की ओर कलात्मक चित्रकारी भी की गई है। बालिका, युवती,गृहिणी, पढ़ी लिखी महिला, प्रोफेशनल महिला के चित्र भी बनवाए गए हैं। नगर निगम के लोगो के साथ-साथ सखी महिला स्वच्छता गृह भी लिखवाया गया है। गेट के पास, बारियों के बारीक व कलात्मक चित्रकारी भी की गई है।

पिंक बस में यह सुविधा

प्रत्येक पिंक बस आधुनिक सुविधाओं से युक्त है। बस में डायपर चेंजिग रूम व टॉयलेट में सेंसर लाइटें हैं। किसी महिला के बस अथवा टॉयलेट में प्रवेश करते ही सेंसर लाइट अपने आप चालू हो जाएगी। वहीं बस में बेबी फीडिंग रूम, बेबी डायपर चेंजिंग टेबल, छोटे पंखे, सेनेटरी वेंडिंग मशीन, अटेंडेंट चेयर, दो इंडियन व दो वेस्टर्न टॉयलेट, हैण्ड वॉश बेसिन हैं। टॉयलेट में पैनिक बटन भी है। आपात स्थिति में महिला इस बटन का उपयोग कर सकेगी। एक स्लज टैंक, एक हजार लीटर क्षमता का वाटर टैंक, जनरेटर की भी सुविधा है। एक फीडबैक मशीन भी स्थापित है, जिसका बटन दबाकर महिला पिंक बस में उपलब्ध सुविधाओं पर अपनी राय भी व्यक्त कर सकती है।

महिलाओं को होगी सुविधा

शहर के व्यस्ततम बाजार और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर महिलाओं के लिए शौचालय सुविधा का अभाव था। महिलाओं की सुविधा के लिए पिंक बस शौचालय की सुविधा प्रारंभ की जा रही है। निगम की ओर से चार पिंक बसे तैयार करवाई गई हैं। इनमें से दो बसें निगम को प्राप्त हो गई हैं। इनकी सुविधा मंगलवार से प्रारंभ हो जाएगी। पिंक बस में कई प्रकार की आधुनिक सुविधाएं है, जिनका लाभ महिलाओं और उनके साथ बच्चों को भी मिलेगा।

- सुशीला कंवर राजपुरोहित,
महापौर, नगर निगम, बीकानेर।

अब एफआईआर दर्ज कराने के लिए नहीं लगाने होंगे थाने के चक्कर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटा। ई-मित्र पर 2022 से ऑनलाइन एफआईआर दर्ज कराने की सुविधा देने के बाद से थानों का काम ई-मित्र पर होने लगा है। परिवादी अब थानों में जाने की जगह ई-मित्र पर ही एफआईआर दर्ज कराने लगे हैं। छोटी-मोटी मारपीट, चोरी-चकारी अन्य वारदातों के बाद थानों के चक्कर नहीं कटाने पड़ रहे, परिवादी ई-मित्र से ही शिकायत दर्ज कराने लगे हैं। पुलिस की मानें तो यह सुविधा देने के बाद से थानों में परिवादियों की संख्या कम हो गई है। ऑनलाइन एफआईआर सुविधा की सीधी मॉनिटरिंग स्टेट क्राइम रेकॉर्ड ब्यूरो कर रहा है। साथ ही, शिकायत पर संबंधित थाने के डिप्टी और एसपी भी नजर रखते है। राजस्थान पुलिस हाईटेक हो रही है। अब गुमशुदगी दर्ज करानी हो या किसी का सत्यापन या फिर अन्य कोई मामला, सब ऑनलाइन दर्ज होने लगी है। थाना पुलिस परिवादी की सुनवाई नहीं कर रही है तो भी अधिकारी के पास जाने की जरूरत नहीं है, आप घर बैठे शिकायत कर सकते है। एडिशनल एसपी दिलीप सैनी ने बताया कि जब से ऑनलाइन एफआईआर का सिस्टम शुरू हुआ है, थाने में आने वाली हर शिकायत को ऑनलाइन किया जा रहा है।

भेड़ बकरी एवं खरगोश पालन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

टोंक। संस्थान में चल रही अनुसूचित जाति उपयोजना के अन्तर्गत उन्नत भेड़ बकरी एवं खरगोश पालन विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बीते दिनों सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में अनुसूचित जाति के मालपुरा तहसील के विभिन्न गांवो के 32 बीपीएल किसानों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को उन्नत भेड़-बकरी एवं खरगोश पालन से सम्बन्धित संस्थान द्वारा विकसित की गई प्रजनन, स्वास्थ्य, पशु पोषण, अधिक उत्पादन हेतु कृत्रिम गर्भाधान, ऊन एवं ऊन के उत्पादों की नवीन तकनीकीयों एवं संस्थान द्वारा प्रसार के क्षेत्र में किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में व्याख्यान एवं प्रायोगिक द्वारा विस्तृत से जानकारी देना रहा। कार्यक्रम के समापन समारोह में संस्थान के निदेशक डॉ. अरूण कुमार तोमर ने किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा की भेड़-बकरी पालन किसानों के लिए जीवन निर्वाह का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि वे प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त जानकारीयों से अपने क्षेत्र के किसानों से साझा करें एवं उनको भी जागरूक करें। कार्यक्रम के समापन कार्यक्रम के दौरान, डॉ. एस.सी. शर्मा, डॉ. अजय कुमार, डॉ. एस.एस. डांगी एवं रिलायन्स फाऊण्डेशन के अधिकारी भी मौजुद रहे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. एल.आर. गुर्जर एवं डॉ. रंगलाल मीणा तकनीकी स्थानान्तरण एवं सामाजिक विज्ञान विभाग थे।

महाराष्ट्र में भाजपा की प्रचंड विजय पर सिरोही जिले जश्न

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही। महाराष्ट्र में भाजपा की प्रचंड विजय एवं उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार के उपचुनाव में भाजपा के शानदार प्रदर्शन के उपलक्ष में भारतीय जनता पार्टी के सिरोही जिले कार्यकर्ताओं ने सुभाष सर्किल स्वरूपगंज कस्बे पर पटाखे फोड़ मिठाई बाट खुशी मनाई। वही जिला मुख्यालय सहित पूरे जिले में भाजपाइयों नें जश्न मनाया एक दूसरे को बधाई देते हुए आतिशबाजी करके मुंह मीठा करवाया।

जिला मंत्री प्रधानमंत्री के शानदार नेतृत्व में भाजपा का कुनबा हुआ मजबूत

विजय जश्न के इस अवसर पर सिरोही भाजपा जिला मंत्री भुवनेश राजपुरोहित ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व मे भाजपा का जन आधार बढ़ता जा रहा है। देश के दूसरे सबसे ह्यबड़े प्रदेश महाराष्ट्र में भाजपा और सहयोगियों की प्रचंड बहुमत से सरकार बनना उनके करिश्माई व्यक्तित्व एवं भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत का नतीजा है। वही मंडल अध्यक्ष हेमंत शर्मा ने कहा कांग्रेस की तुष्टिकरण, राष्ट्रविरोधी, परिवारवाद की राजनीति को देश की जनता ने नकारा है।

सिरोही जिले में भाजपा खेमे में हर्ष कि लहर

महाराष्ट्र में शानदार विजय और उपचुनाव में बेहतरीन नतीजो को लेकर सिरोही भाजपा खेमा आज खुश दिखा। जगह जगह खुशियां मनाई। और एक दूसरे को बधाई देकर भाजपा को जिले में और मजबूत करने कि बात कहीं। इस जीत नें भाजपा के कार्यकर्ताओ और पदाधिकारियों के लिए फिर से जबरजस्त उत्साह भर दिया। सिरोही आबूरोड़ स्वरूपगंज सहित कई जगहों पर जमकर खुशियां मनाई आतिशबाजी कि गई।

किसान करें ऑर्गेनिक अनार की खेती-मिश्रा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। अटारी जोन जोधपुर के डायरेक्टर डॉ. जेपी मिश्रा का गुड़ामालानी क्षेत्र में कृषि विज्ञान केंद्र गुड़ामालानी और विभिन्न गांवों नई उन्दरी और भेडाणा के किसानों स्वागत किया। अटारी जोन जोधपुर के डायरेक्टर डॉ. जेपी मिश्रा ने नई उंदरी गांव में ऑर्गेनिक अनार के बगीचे का दौरा किया साथ ही डायरेक्टर मिश्रा ने बताया कि की अनार की ऑर्गेनिक खेती एक नई दिशा में प्रगतिशील कदम साबित हो रही है। और प्रगतिशील किसान शंकरलाल राजपुरोहित से खेती से जुड़ी विस्तृत जानकारी प्राप्त की।डॉ.मिश्रा ने कहा कि ऑर्गेनिक खेती न केवल फसलों की गुणवत्ता को बेहतर बनाती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आय बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने ऑर्गेनिक खेती के लाभों पर जोर देते हुए इसे कृषि का भविष्य बताया। इस मौके पर केवीके गुड़ामालानी के वरिष्ठ वैज्ञानिक और अध्यक्ष डॉ. बाबूलाल मीणा भी मौजूद रहे। उन्होंने किसानों को ऑर्गेनिक खेती की तकनीकों और इसके फायदों के बारे में विस्तार से समझाया। डॉ. मीणा ने बताया कि ऑर्गेनिक खेती से उत्पाद में रसायनों की कमी होती है,जिससे स्वास्थ्य के लिए यह अधिक लाभकारी होता है।किसानों में ऑर्गेनिक खेती को लेकर बढ़ती जागरूकता और रुचि इस क्षेत्र में कृषि के नए युग की शुरुआत का संकेत देती है।

राजसमंद सांसद महिमा कुमारी के निर्वाचन को दी चुनौती, हाईकोर्ट ने जारी किए नोटिस

» जागरूक जनता @ जोधपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजसमंद सांसद महिमा कुमारी के निर्वाचन को चुनौती देने वाली चुनाव याचिका पर नोटिस जारी किए हैं। न्यायाधीश मदन गोपाल व्यास की एकल पीठ में याचिकाकर्ता जितेंद्र कुमार खटीक ने कहा कि भाजपा प्रत्याशी महिमा कुमारी की ओर से नामांकन दाखिले के साथ पेश शपथ पत्र में उनके नामांकन में पैन कार्ड के कॉलम में चार लोगों के पैन कार्ड अंकित किए गए हैं, जबकि उनके पति विश्वराजसिंह ने नाथद्वारा विधानसभा चुनाव में पांच पैन कार्ड अंकित किए थे। उन्होंने याचिका में आरोप लगाया कि भाजपा प्रत्याशी ने नामांकन में संपत्ति भी छिपाई है, जो निर्वाचन नियमावली एवं लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 125ए के अनुसार शपथ पत्र में दी जानी आवश्यक है। पीठ ने महिमा कुमारी, विश्वराज सिंह, दीप्ति माहेश्वरी सहित अन्य को नोटिस जारी किए हैं।

सिरोही सीएमएचओ डॉ राजेश निलंबित

राज्य सरकार के पास पहुंची गंभीर शिकायते, निष्पक्ष जांच की दरकार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही। राजस्थान के सिरोही जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश कुमार को राज्य सरकार ने निलंबित कर दिया है। उनके विरुद्ध गंभीर शिकायतें सरकार को प्राप्त हुई है। उन शिकायतों की जांच विचाराधीन होने के कारण उन्हें तुरंत प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। निलंबन काल में उन्हें कोटा में उपस्थिति देनी होंगी।

राज्य सरकार द्वारा जारी निलंबन आदेश में यह कहा

राजस्थान सरकार में पदस्थापित निशा मीणा संयुक्त शासन सचिव द्वारा जारी आदेश में बताया गया की डॉक्टर राजेश कुमार, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी जो वर्तमान में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सिरोही के पद पर पदस्थापित है, उनके विरूद्ध प्राप्त विभिन्न शिकायतों की जांच विचाराधीन होने के कारण राजस्थान सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1958 के नियम-13 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए डा. राजेश कुमार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिरोही को राज्य सरकार तुरन्त प्रभाव से निलम्बित करती है। निलम्बन अवधि में उन्हें मुख्यालय संयुक्त निदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ, जोन कोटा के कार्यालय में रहेगी।

भ्रष्टाचार के आरोपों से घिर चुके थे CMHO

डॉ राजेश कुमार पर पूर्व में कई बार भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लग चुके है। जिनकी शिकायत कई मर्तबा एसीबी से लगाकर विभागीय उच्च अधिकारियो तक पहुंची। परन्तु उच्चे राजनीति रसूखात के चलते उनपर कोई प्रभावी एक्शन पहले देखने को नहीं मिला। जैसे ही सरकार बदली उसके बाद भी लगभग एक साल तक इनपर कई नेताओं की मेहरबानी बनी रहीं। भाजपा सरकार में भी कई गंभीर शिकायतें राज्य सरकार स्तर तक हुई। उच्च स्तर पर प्राप्त शिकायतों की जांच फिलहाल विचाराधीन है। इसी के चलते इन्हें निलंबित कर दिया गया है। कुछ महीने पहले ज़ब भाजपा सरकार ने डॉ राजेश कुमार का अन्य जगह तबादला किया तो वे पुनः हाईकोर्ट से स्टे लेकर आये थे। यानि डॉ राजेश कुमार को सिरोही CMHO की कुर्सी से जो अटूट प्रेम था वो छूट नहीं रहा था। वे कैसे भी करके इस कुर्सी को छोड़ना नहीं चाहते थे। कई नेता भी इनके सामने मानो नतमस्तक थे। अपनी उच्चे रसूखात के चलते हर शिकायतें उनके विरुद्ध पहुँचती वे मानो अलमारियों में दफन हों जाती थी।

आयुर्वेदीय माइंडफूलनेस एंड ब्रीदिंग टेक्निक्स व्याख्यान आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलपति प्रो (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के मार्गदर्शन में पंचकर्म विभाग विभागाध्यक्ष और पंचकर्म सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस के प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा ने कोणार्क आर्मी सभागार में आयुर्वेदीय माइंडफूलनेस एंड ब्रीदिंग टेक्निक्स पर अतिथि व्याख्यान दिया। डॉ. शर्मा ने माइंडफूलनेस से ध्यान केंद्रित करने, शांत रहने और तनाव को बेहतर ढंग से संभालने में मदद करता है।

माइंडफूलनेस से हृदय, मस्तिष्क में इसकी भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद में माइंडफूलनेस और श्वास तकनीक का अभ्यास कैसे करें। यह अभ्यास प्राचीन परंपराओं से आता है और अब विज्ञान द्वारा मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए सिद्ध किया गया है।

गहरी सांस लेने या ध्यान जैसी सरल गतिविधियों के माध्यम से माइंडफूलनेस का अभ्यास करके आप अधिक शांतिपूर्ण केंद्रित और अपनी भावनाओं पर नियंत्रण महसूस कर सकते हैं। पंचकर्म और स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर कोणार्क आर्मी सभागार में सेना कमांडेंट एवं अन्य अधिकारियों, सैन्यकर्मियों के परिवार उपस्थित रहे।

अन्य राज्य की 54 बोतल शराब बरामद

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। आबकारी आयुक्त शिव प्रसाद नकाते के निर्देशन में आबकारी निरोधक दल ने दबिश की कार्यवाही करते हुए शौभागपुरा स्थित मीरा नगर के एक सूने मकान से अन्य राज्य की विभिन्न ब्रांड की कुल 54 बोतल शराब बरामद की। बरामद शराब का बाजार मूल्य लगभग 2 लाख 31 हजार 480 रूपए है। उक्त शराब शादी पार्टी के आयोजन के लिए सप्लाई की जानी थी जिसे दबिश देकर बरामद किया गया। नियमानुसार एफआईआर दर्ज कर कार्यवाही की गई। उक्त दबिश की कार्यवाही आबकारी वृत निरीक्षक गिर्वा राहुल शर्मा द्वारा अतिरिक्त आबकारी आयुक्त प्रदीप सिंह सांगावत, उपायुक्त देवेन्द्र दशौरा, जिला आबकारी अधिकारी नीलम लखारा एवं सहायक आबकारी अधिकारी भरत मीणा के निर्देशन में की गई।

जिला फुटबॉल संघ के नए लोगो का विमोचन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जालोर। जालोर जिला फुटबॉल संघ के अध्यक्ष उमसिंह राठौड की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला फुटबॉल संघ की कार्यकारिणी की अंतिम बैठक शंखेश्वर आहोर के फुटबॉल कार्यालय में आयोजित कर जिला फुटबॉल संघ की विभिन्न गतिविधियों एवं 1 दिसंबर को वार्षिक साधारण सभा तथा चुनाव कार्यक्रम पर पदाधिकारियों से चर्चा की तथा जालोर जिला फुटबॉल संघ के नवीन लोगो का पदाधिकारियों के साथ विधिवत विमोचन करते हुए कहा की फुटबॉल कड़ी मेहनत और त्याग का खेल हैं। जिले में फुटबॉल खेल को ग्रास रुट लेवल से प्रारम्भ करने हेतु जिले की समस्त विद्यालयों में ग्राम पंचायत स्तर पर पर खेलों का नियमित संचालन हो इसके लिए हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। हर वर्ष ब्लॉक लेवल पर जिला स्तरीय तथा चार साल में दो राज्य स्तरीय विशेषकर जिले की बालिकाओं को फुटबॉल खेल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से खिलाडियों को प्रशिक्षक फिजिओ की सेवाएं तथा खेल सामग्री मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी। जालोर जिला ओलिंपिक संघ के सेक्रेटरी जनरल लाल सिंह सांखला ने जिले की फुटबॉल टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तथा इसे ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए मनोवैज्ञानिक सुझाव दिए।

श्री कल्लाजी वैदिक विवि कल्याण लोक में रंग-तरंग सम्पन्न

वेदमंत्रों में आज भी शक्ति का संचार होता है-शर्मा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। श्री कल्लाजी वैदिक विश्वविद्यालय कल्याण लोक निंबाहेड़ा में 21 नवम्बर से प्रारंभ हुए चार दिवसीय कार्यक्रम रंग-तरंग का समापन सत्र 24 नवम्बर को सम्पन्न हुआ। समापन समारोह में प्रमुख शास्त्रीय एवं लोक नृत्य, लघु नाटकों की कई रंगारंग झलकियों को प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व केबिनेट मंत्री व विधायक श्रीचन्द कृपलानी रहे। उन्होनें अपने उद्बोधन के माध्यम से वेदों एवं वेदांगों के संरक्षण के लिए विश्वविद्यालय को प्रेरणास्पद बताया और विश्वविद्यालय की उन्नति, प्रगति के

लिए वे सदैव तत्पर रहेंगे ऐसे आशीर्वचनों के साथ छात्रों व समस्त विश्वविद्यालय परिवार का उत्साहवर्धन किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व विधायक अशोक नवलखा व प्रायोजक निकाय श्री शेषावतार 1008 श्री कल्लाजी वेदपीठ एवं शोध संस्थान के अध्यक्ष लालु भाई केवलानी रहें तथा अन्य समाजसेवी एवं शिक्षकगण भी अतिथि रूप में उपस्थित रहे। संपूर्ण कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरू प्रो. ताराशंकर शर्मा ने की। उनके आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन से आयोजन सफल रहा। उन्होंने बताया कि वेदमंत्रों में आज भी शक्ति का संचार होता हैं, जिसे आज विज्ञान भी स्वीकार करता हैं। इस आयोजन के संरक्षक चौयरपर्सन कैलाशचन्द्र मुन्दड़ा रहे। उन्होंने सभी गणमान्य अतिथियों का अभिवादन करते हुए कहा कि हम वैदिक संस्कृति एवं संस्कारों को बनाए रखने के क्षेत्र में हमेशा प्रयासरत रहेंगे। छात्रों को वैदिक शिक्षा द्वारा ही हम अपने सनातन संस्कारों को बचा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल लोक रंजन नहीं अपितु लोक रंजन के माध्यम से लोक-मंगल की भावना हैं। कार्यक्रम की अग्रिम कड़ी में श्याम सुन्दर पारीक को उनके साहित्य सृजन के क्षेत्र में श्रीकल्ला राठौड़ साहित्य साधना युवा पुरस्कार तथा पंकज कुमार झा को उनके संस्कृत साहित्य क्षेत्र विशेष योगदान होने पर श्री कमधज युवा साहित्यकार पुरस्कार प्रदान किया गया। अन्त में सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले छात्रों व पूर्व आयोजित खेल प्रतिभगियों को पुरस्कृत किया गया। संचालन का कार्य डॉ स्मिता शर्मा ने किया तथा स्वागत अभिवादन डॉ ललित किशोर शर्मा ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ लोकेश चौधरी द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विश्वविद्यालय के समस्त सहकर्मियों का सफल सहयोग एवं उपस्थिति रहीं।

घर मंगवाये जागरूक जनता हमें कहें.....

सदस्यता फार्म   दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

फोन .... पिन कोड

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक ....   हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

जागरूक खबरें

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी संभल जाएंगे, जल्द हो सकता है दौरा

» जागरूक जनता @ नई दिल्ली। यूपी के संभल जिले में स्थित जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के बाद भड़की भीषण हिंसा के बाद से तनाव का माहौल है। इलाका पूरी तरह से पुलिस छावनी में तब्दील हो चुका है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस समेत वकई विपक्षी दल इस हिंसा के लिए भाजपा सरकार और पुलिस प्रशासन को जिम्मेदार बता रहे हैं। वहीं, अब बड़ी खबर ये आई है कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी संभल जिले का दौरा करने जा सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, राहुल जल्द ही संभल जा सकते हैं।

यमुना एक्सप्रेसवे पर रफ्तार को लगा ब्रेक, कोहरे और धुंध के कारण घटाई गई स्पीड

» जागरूक जनता @ लखनऊ। कोहरे और धुंध की वजह से यमुना एक्सप्रेसवे और आस-पास के हाईवे पर सड़क हादसे लगातार बढ़ रहे हैं। इसे देखते हुए यमुना प्राधिकरण ने 15 दिसंबर से 15 फरवरी तक वाहनों की स्पीड कम करने का फैसला लिया है। इस अवधि के दौरान हल्के वाहनों की रफ्तार 100 किलोमीटर प्रति घंटा से घटाकर 80 किलोमीटर प्रति घंटा कर दी गई है, जबकि भारी वाहनों की स्पीड 80 किलोमीटर प्रति घंटा से घटाकर 60 किलोमीटर प्रति घंटा कर दी गई है। निर्धारित स्पीड से अधिक रफ्तार पर चलाने पर वाहनों का चालान किया जाएगा। कोहरे से सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या को रोकने के लिए प्रशासन ने पहले से ही ठोस कदम उठाए हैं। इस बार ट्रॉलियों और अन्य वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाने की योजना शुरू की गई है, ताकि वाहन चालक कोहरे के दौरान भी वाहन को आसानी से देख सकें। अलीगढ़ आरटीओ प्रशासन के दीपक शाह ने बताया कि यह कदम हर साल नवंबर महीने में लिया जाता है और इस साल भी इस पर अमल किया जा रहा है।

राज्यों में आपदा न्यूनीकरण परियोजनाओं के लिए केन्द्र ने किए 1115 करोड़ मंजूर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने विभिन्न राज्यों के लिए आपदा न्यूनीकरण और क्षमता निर्माण परियोजनाओं के लिए 1115.67 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति की बैठक में इस राशि को मंजूरी दी गयी। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि वित्त मंत्री, कृषि मंत्री और नीति आयोग के उपाध्यक्ष की सदस्यता वाली समिति ने राष्ट्रीय आपदा शमन निधि से 15 राज्यों में भूस्खलन के जोखिम को कम करने के प्रस्ताव के वित्त पोषण और राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि के फंडिंग विंडो से तैयारी और क्षमता निर्माण के तहत सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के प्रस्ताव पर विचार किया।

उच्चस्तरीय समिति ने 15 राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 1000 करोड़ रुपये की कुल लागत से राष्ट्रीय भूस्खलन जोखिम न्यूनीकरण परियोजना को मंजूरी दी है। समिति ने उत्तराखंड के लिए 139 करोड़ रुपये, हिमाचल प्रदेश के लिए 139 करोड़ रुपये, पूर्वोत्तर के 8 राज्यों के लिए 378 करोड़ रुपये, महाराष्ट्र के लिए 100 करोड़ रुपये, कर्नाटक के लिए 72 करोड़ रुपये, केरल के लिए 72 करोड़ रुपए, तमिलनाडु के लिए 50 करोड़ और पश्चिम बंगाल के लिए 50 करोड़ रुपए को मंजूरी दी। उच्चस्तरीय समिति ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में सिविल डिफेंस के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए 115.67 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली एक अन्य परियोजना को भी मंजूरी दी है। इससे पहले, समिति ने राष्ट्रीय आपदा शमन निधि से सात शहरों में 3075.65 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली शहरी बाढ़ जोखिम न्यूनीकरण परियोजनाओं और 4 राज्यों में 150 करोड़ रुपये की मंजूरी दी थी। गृह मंत्रालय ने देश में आपदाओं का प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए कई पहल की हैं। भारत में आपदा जोखिम न्यूनीकरण प्रणाली को मजबूत करके आपदाओं के दौरान जान-माल को होने वाले किसी भी बड़े नुकसान को रोकने के लिए कई कदम उठाए गए हैं।इस वर्ष राज्यों को 21,476 करोड़ रुपये से अधिक की राशि पहले ही जारी की जा चुकी है। इसमें राज्य आपदा मोचन निधि से 26 राज्यों को 14,878.40 करोड़ रुपये, राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि से 15 राज्यों को 4,637.66 करोड़ रुपये, राज्य आपदा शमन निधि से 11 राज्यों को 1,385.45 करोड़ रुपये और राष्ट्रीय आपदा शमन निधि से 6 राज्यों को 574.93 करोड़ रुपये शामिल हैं।

SP COLLEGE
Estd 2008
Affiliated to MLSU, Udaipur
सिरोही, जालौर, सांचौर एवं पाली ज़िले का प्रतिष्ठित बहु संकाय कॉलेज
अंतिम प्रवेश सूचना 2024-25
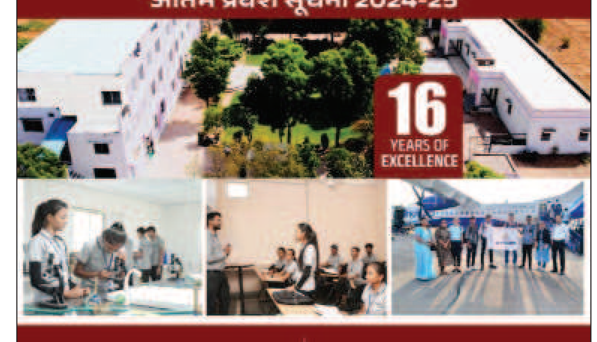

M.Sc
Chemistry | Zoology | Botany
BCA
B.Sc
Maths | Biology
B.Com | BA
D.Pharma
Eligibility- 12th Bio / Maths
Approved by PCI, New Delhi
Affiliated to RUHS, Jaipur
डी. फ़ार्मा
Our Campus : Sarvdham, Sirohi 95300 19309

दुनियाभर के जर्नल एक ही मंच पर होंगे उपलब्ध

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' योजना को मंजूरी दे दी। इस स्कीम में देश के विद्यार्थियों को दुनियाभर के जर्नलों में प्रकाशित होने वाले शोध और आलेख एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे देश के करीब 1.8 करोड़ स्टूडेंट और रिसर्च स्कॉलरों को फायदा होगा। योजना के लिए छह हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। यह रकम 2025 से 2027 तक उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, स्थाई खाता संख्या यानी पैन को बेहतर बनाने और इसके आंकड़ों की सुरक्षा और पैन से

संबंधित शिकायतों के स्थाई समाधान के लिए लोगों को पैन 2.0 जारी करने का निर्णय लिया है। इस पर 1435 करोड़ रूपए का व्यय होगा।

सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में कई महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए गए। वैष्णव के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख जर्नल प्रकाशित करने वाले 30 प्रकाशकों को 'वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन' में शामिल किया जाएगा। केंद्र व राज्य सरकारें और सरकारी रिसर्च और डवलपमेंट संस्थान इस नए प्लेटफॉर्म का संचालन और प्रबंधन करेंगी। इससे दूसरे-तीसरे टीयर के शहरों में रहने वाले शोधार्थियों को घर बैठे ही दुनिया के टॉप जर्नल उपलब्ध हो जाएंगे और देश में शोध का माहौल बेहतर होगा। इस स्कीम में करीब 13,000 ई-जर्नल तक 6,300 सरकारी उच्च शिक्षण संस्थानों और केंद्रीय शोध संस्थानों की पहुंच हो जाएगी।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सैन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

अपनी ज़मीन को दें एक नई पहचान

Jio-bp के चैनल पार्टनर बनने का एक सुनहरा अवसर, जो भारत में निजी क्षेत्र की No.1 कंपनी Reliance Industries Ltd. और ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया की नामी कंपनी bp, के बीच एक संगठन है।

Jio-bp को तलाश है ऐसे प्रगतिशील व्यापारियों की जिनके पास हाइवे और शहरों में खुद की ज़मीन है
*चैनल पार्टनर बनने के लिए प्रमुख आवश्यकताएँ:
जमीन की आवश्यकता:
हाईवेज़ पर 3000 वर्ग मीटर, सिटी में 1200 वर्ग मीटर
अन्य सड़कों पर 2000 वर्ग मीटर
निवेश: ₹2+ करोड़
अन्य जानकारी के लिए यहाँ विज़िट करें: jiobp.com
QR स्कैन करें:
आवेदन करने के लिए - विज़िट: partners.jiobp.in | ई-मेल: jiobp.dealership@jiobp.com | भेजें: 'Hi' को 70217 22222 पर
हमारी ऑफरिंग्स
महत्वपूर्ण सूचना: Reliance BP Mobility limited (RBML) डीलरशिप के आवंटन के लिए धन की मांग करके धोखा देने और धोखाधड़ी करने के उद्देश्य से बेईमान तत्वों द्वारा की गई कपटपूर्ण गतिविधियों की व्यापकता के बारे में जनता को सूचित करता है. RBML सर्वसाधारण को सावधानी बरतने और RBML या उसकी किसी सहयोगी या होल्डिंग या समूह कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने का दावा करने वाले ऐसे अनधिकृत व्यक्तियों/इकाईयों से कोई व्यवहार नहीं करने की सलाह देता है. यदि आपके सामने ऐसा कोई प्रकरण आए तो कृपया हमें CustomerCare.Petroleum@jiobp.com. पर लिखें. RBML या इसकी सहयोगी या होल्डिंग या समूह कंपनियाँ संचार के किसी भी माध्यम से, जो RBML द्वारा अधिकृत नहीं है, ऐसी धोखाधड़ी वाली गतिविधि(यों) का शिकार होने वाले किसी भी व्यक्ति के नुकसान/क्षति के लिए किसी भी तरह से उत्तरदायी नहीं होंगी. वास्तविक साइट यहां प्रदर्शित छवि से अलग हो सकती है.

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

राजस्थान मंडप में जोधपुर की महिलाओं के स्वयं सहायता समूह द्वारा निर्मित उत्पादों ने छोड़ी छाप

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में चल रहे 14 दिवसीय 43वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में महिला सशक्तिकरण की मिसाल पेश करते जोधपुर के पाल गांव की कल्याणी स्वयं सहायता समूह द्वारा निर्मित उत्पादों ने अपनी विशेष छाप छोड़ी है। मेले में आ रहे आगंतुक विशेषकर महिलाएं इनके स्टॉल पर जाकर समूह की महिलाओं से चर्चा कर उनके हुनर के बूते आत्मनिर्भर बनने के अनुभवों की जानकारी ले रही हैं। इन स्वयंसेवी महिलाओं के हूनर और उनके दृढ़ संकल्पों से उनके द्वारा हजारों लोगो को रोजगार देने तक के सफर की कहानी सुनकर लोग रोमांचित हो रहे हैं। इन महिलाओं ने बताया कि उन्होंने अलग-अलग क्षेत्र में अपनी मेहनत, सोच और निष्ठा से फर्श से अर्श तक की कहावत को मूर्त रूप दिया है।

हल्की एवं गर्माहट के लिये जयपुरी रजाईयां पहली पसंद

राजस्थान मंडप में जयपुरी रजाईयों को काफी पसंद किया जा रहा है और उनके हल्के वजन, कोमलता एवं गर्माहट की खासियत की बजह से खूब खरीदारी भी हो रही है। पवेलियन में जयपुरी रजाईयां के स्टोल संचालक अब्दुल रऊफ ने बताया कि जयपुरी रजाईयां बनाना बुनकरों का वंशानुगत व्यवसाय है और इसे वे पिछली कई पीढ़ीयों से करते आ रहे हैं। रऊफ ने बताया कि रजाईयों को बनाने के लिए उच्च श्रेणी की शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कपास का प्रयोग किया जाता है। साथ ही आधुनिक फैशनेबल एवं राजस्थानी डिजाइनों में इन्हें बनाया जा रहा है जिसे ग्राहकों द्वारा काफी पसंद किया जाता है। उन्होंने बताया कि ग्राहकों के लिये अलग-अलग आकृति और आकार में रजाईयां उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि इसके अलावा फाइबर और बनारसी जरी बार्डर पर सुंदर पुष्प डिजाइन और गहरे रंगों की रजाईयां भी बनाई जाती हैं। राजस्थानी शुद्ध कपास से पारंपरिक सांगानेरी हैंड ब्लाक प्रिंट में विश्व प्रसिद्ध जयपुरी डबल बेड की रजाईयां भी बनाई जा रही हैं जो कि दर्शकों द्वारा काफी पसंद की हैं।

राजस्थान की प्रसिद्ध बंधेज की साड़ियों को लोगो ने किया पसंद

राजस्थान मंडप के भीतरी भाग में लगे साड़ी और दुपट्टे के स्टॉल पर महिलाओं ने खूब खरीदारी की। राज्य के चुरू जिले के कैलासर गांव से आई अंजू ने बताया कि राजस्थान की बंधेज साड़ियों और दुपट्टो को महिलाओं द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। उन्ही के साथ बूंदी जिले के डाबला गांव से आई मोबिता ने बताया कि उनके द्वारा बनाए गए लाख से निर्मित चूड़ियों, कंगनों, गले के हार इत्यादि उत्पादों की अच्छी बिक्री हो रही है।

आयुर्वेद विवि में "देश का प्रकृति परीक्षण" महाभियान का शुभारंभ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति प्रोफेसर (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के नेतृत्व में भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग (एन सी आई एस एम) नई दिल्ली एवं आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार "देश का प्रकृति परीक्षण" महाभियान का शुभारंभ किया गया। इस महाभियान का उद्देश्य लोगों के स्वास्थ्य का प्रकृति परीक्षण कर उनकी शारीरिक और मानसिक स्थिति को समझना तथा स्वास्थ्य संवर्धन के लिए आयुर्वेदिक उपाय प्रदान करना है। शुभारंभ के अवसर पर कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति का प्रकृति परीक्षण किया गया। इस कार्यक्रम के पहले दिन विश्वविद्यालय में कुलपति सहित 300 से अधिक संकाय सदस्यों एवं छात्रों का प्रकृति परीक्षण किया गया।

इस अवसर पर कुलपति ने छात्रों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि "यह महाभियान प्रधानमंत्री द्वारा उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है, जो विश्व एवं भारत में आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार और लोगों के स्वास्थ्य सुधार में सहायक होगा। सभी का उत्साह सराहनीय है और यह प्रयास आयुर्वेद को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने में मील का पत्थर साबित होगा।"साथ ही उन्होंने बताया की माननीय आयुष मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय राज्य मंत्री, श्री प्रतापराव जाधव जी द्वारा यह अभियान संविधान दिवस , 26 नवंबर, 2024 को शुरू हुआ है और भारत के सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर 25 दिसंबर, 2024 तक चलेगा ।

इस अभियान का पहला चरण, 26 नवंबर, 2024 से शुरू हुआ। इस अभियान में मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करके प्रथम चरण में आयुर्वेदिक सिद्धांतों के आधार पर एक करोड़ से अधिक लोगों के प्रकृति का मूल्यांकन कर राष्ट्रीय स्तर पर विश्व रिकॉर्ड बनाया जाएगा। इस अभियान के दौरान प्रकृति परीक्षण करने वाले स्वयंसेवक के रूप में कार्य करेंगे और व्यक्तियों (नागरिकों) जिनकी प्रकृति का मूल्यांकन किया जाएगा, सकारात्मक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए नियमित आधार पर उन्हें स्वास्थ्य सलाहें प्राप्त होंगी। इस अभियान के दौरान 5 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का भी प्रयास किया जाएगा और यह भारतीय चिकित्सा के लिए एक सकारात्मक संदेश भेजते हुए पूरे अभियान को विश्वपटल में एक नई ऊंचाई पर ले जाएगा।

कुलपति प्रो प्रजापति ने अभियान को सफल बनाने के लिए सभी संकाय सदस्यों और छात्रों को प्रेरित करते हुए इसे व्यापक स्तर पर जनता तक पहुँचाने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम ने पहले दिन ही लोगों में जबरदस्त उत्साह और जागरूकता पैदा की है।

आजादी के 77 वर्ष बाद चित्तौड़गढ दुर्ग बना 77वें महाराणा के राजतिलक का साक्षी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। आजादी के 77 वर्ष बाद विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक चित्तौड़ दुर्ग लगभग पांच शताब्दी के पश्चात मेवाड़ के महाराणाओं के वशंज के रूप में 77वें महाराणा विश्वराज सिंह के राजतिलक का साक्षी बना है जहां मार्गशीर्ष कृष्णा दशमी को फतहप्रकाश महल परिसर में आयोजित विशाल समारोह में मेवाड़ी परंपरा के अनुरूप मेवाड़ के पूर्व महाराणा महेन्द्र सिंह के निधन के पश्चात उनके पुत्र विश्वराज सिंह का मेवाड़ के महाराणा के रूप में राजतिलक किया गया।

मेवाड़ की परंपरानुसार सलुम्बर की स्याही और भीण्डर का भाला के अनुसार सलुम्बर के रावत देवव्रत सिंह द्वारा तलवार से अंगूठे का रक्त निकालकर महाराणा को राजतिलक के रूप में रक्त तिलक किया गया। इस दौरान मेवाड़, मालवा, मारवाड़, वांगड़, हाडौती, सहित देश और प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से बडी संख्या में आये राज परिवार के सदस्यों के साथ ही 16 राव एवं 32 उमराव के अलावा सर्वसमाज के लोगों ने राजतिलक ने सहभागिता निभाते हुए महाराणा को नानाविद नजराने भेंट किये। इस मौके पर कई विदेशी पर्यटको ने भी राजतिलक समारोह को अपने कैमरे में कैद करने की खासी रूचि दिखाई।

महाराणा के समारोह स्थल पहुंचने पर बैण्ड की मधुर धूनों, पुलिस बैण्ड की धून, ढोल-नगाड़ो, तोपों की सलामी, भारी अतिशबाजी, पुष्पवर्षा के साथ उनका आत्मिक स्वागत अभिनंदन किया गया। विश्वराज सिंह ने फतहप्रकाश महल पहुंचते ही सबसे पहले दरीखाने पहुंचकर नमन किया, तत्पश्चात् उन्हें विधि-विधान के साथ स्थापित राजगद्दी पर आसीन किया गया। राजतिलक के दौरान मेवाड़ राजघराने से जुड़े दमामी द्वारा महाराणा की शान में आप जुग-जुग जियो रे मेवाड़ शोभा आपरी करा की प्रस्तुति देकर संपूर्ण वातावरण को आनंदित कर दिया। इसी दौरान महल की प्राचीर से अनवरत् महाराणा प्रताप, महाराणा विश्वराज सिंह का जयकारा गूंजता रहा। इस बीच आदिवासी गैर-नृत्य भी आकर्षण का केन्द्र रहा। राजतिलक समारोह में क्षत्रिय समाज से जुड़े ठिकानेदार, राव-उमराव परंपरागत वेशभूषा में शामिल हुए वहीं मेवाड़ के राजघराने से जुड़े राव-उमराव द्वारा सफेद पाग पहनकर समारोह में भागीदारी निभाई गई जिनकी पाग का रग-बदलाव उदयपुर स्थिति समोर बाग में महाराणा के साथ करवाया गया।

सब साथ मिलकर मेवाड़ का नाम रोशन करते रहेंगे-महाराणा विश्वराज

राजतिलक समारोह में महाराणा महेन्द्र सिंह मेवाड़ ने मेवाड़ी भाषा में कहा कि मेवाड़ का इतिहास पिछले 1500 वर्षो से रहा है कि उसमें सभी को साथ लेकर निभाया जाता था, वे भी इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए जो जिम्मेदारी उन्हें दी गई है उसके अनुरूप सब साथ मिलकर मेवाड़ का नाम रोशन करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि मेवाड़ का दृढ संदेश जो दृढ राखे धर्म को तैही राखे करतार' के अनुरूप धर्म और समाज की रक्षा के लिए वे सदैव तत्पर रहेंगे ताकि हमारी सनातन धर्म संस्कृति मेवाड़ नाथ एकलिंग एवं कुलदेवी बायण माता के आशीर्वाद से अनवरत् सक्षम रहे। इस मौके पर मेवाड़ राजवंश से जुड़े तोपची खानदान मोहम्मद अकात के परिजनों द्वारा भी विभिन्न समाजों के साथ महाराणा को नजराना भेंट किया गया। समारोह में महन्त महामण्डलेश्वर उत्तम स्वामी, महामण्डलेश्वर चेतनदास महाराज, सुरज कुण्ड के अवधेशानंद जी, स्वमी सुदर्शना चार्य सहित कई संतगण, धरोह संरक्षण प्राधिकरण अध्यक्ष औंकार सिंह लखावत, सांसद सीपी जोशी, विधायक चंद्रभान सिंह आक्या, श्रीचंद कृपलानी एवं कई जनप्रतिनिधियों के साथ ही हजारों लोग मौजूद थे।

सब साथ मिलकर मेवाड़ का नाम रोशन करते रहेंगे-महाराणा विश्वराज सिंह

राजतिलक समारोह में महाराणा महेन्द्र सिंह मेवाड़ ने मेवाड़ी भाषा में कहा कि मेवाड़ का इतिहास पिछले 1500 वर्षो से रहा है कि उसमें सभी को साथ लेकर निभाया जाता था, वे भी इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए जो जिम्मेदारी उन्हें दी गई है उसके अनुरूप सब साथ मिलकर मेवाड़ का नाम रोशन करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि मेवाड़ का दृढ संदेश जो दृढ राखे धर्म को तैही राखे करतार' के अनुरूप धर्म और समाज की रक्षा के लिए वे सदैव तत्पर रहेंगे ताकि हमारी सनातन धर्म संस्कृति मेवाड़ नाथ एकलिंग एवं कुलदेवी बायण माता के आशीर्वाद से अनवरत् सक्षम रहे। इस मौके पर मेवाड़ राजवंश से जुड़े तोपची खानदान मोहम्मद अकात के परिजनों द्वारा भी विभिन्न समाजों के साथ महाराणा को नजराना भेंट किया गया। समारोह में महन्त महामण्डलेश्वर उत्तम स्वामी, महामण्डलेश्वर चेतनदास महाराज, सुरज कुण्ड के अवधेशानंद जी, स्वमी सुदर्शना चार्य सहित कई संतगण, धरोह संरक्षण प्राधिकरण अध्यक्ष औंकार सिंह लखावत, सांसद सीपी जोशी, विधायक चंद्रभान सिंह आक्या, श्रीचंद कृपलानी एवं कई जनप्रतिनिधियों के साथ ही हजारों लोग मौजूद थे।

दुर्ग मार्ग पर जाम, गूंजते रहे ढोल-नगाड़े

दुर्ग में आयोजित महाराणा विश्वराज सिंह के राजतिलक समारोह को लेकर क्षत्रिय समाज के साथ-साथ सर्व समाज में भी खासा उत्साह देखा गया, हर कोई राज तिलक की अनूठी परंपरा का साक्षी बनना चाहता था, इसी कारण दुर्ग के पूरे मार्ग में वाहनों की लंबी कतारो से जाम लगा रहा वहीं दुर्ग के सातों दरवाजों और प्राचीर से आगन्तुक अतिथियों पर अनवरत पुष्पवर्षा का दृश्य अकल्पनीय था। महाराणा के सभा स्थल पहुंचने पर फुलों की बिछात पर ढोल-नगाड़ों के साथ उन्हें मंच तक ले जाया गया, समारोह में पुष्प वर्षा का दौर चलता रहा।

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech
ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS
BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY
WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click
START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just Rs.35,000/- + GST
Digital Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Digital Marketing ★ Whatsapp Marketing ★ Bulk SMS Marketing
★ Website Development ★ Android Development ★ Software Development ★ Social Media Management
MSGJET | SCHOOL Management System
Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ Pamphlets ★ Bill Book ★ ID Cards ★ Banners ★ Brochure ★ Letterhead ★ Envelope ★ Signages ★ Calendars ★ Diary ★ Bags ★ Pen Stand ★ Paper Weights ★ Pen ★ Mugs ★ T-Shirts ★ Many More...
Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan
WE ARE Google Partner | AdWords Analytics | Facebook Marketing Partner | Accredited Professional Bing ads
DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE
INDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

जागरूक जनता
www.jagrukjanta.net
विश्वसनीय समाचार पत्र
जो दिखेगा वही बिकेगा
जी हाँ,यदि आपको अपने प्रतिष्ठान का व्यापार का विज्ञापन देना है तो जागरूक जनता समाचार पत्र द्वारा पूरे राजस्थान के साथ-साथ 4 अन्य राज्यों में आपका विज्ञापन प्रसारित किया जायेगा।
आज ही बुक करें विज्ञापन
आपके व्यापार की तरक्की जागरूक जनता के साथ
विज्ञापन | क्लासीफाइड | डिस्प्ले | प्रॉपर्टी | वैवाहिक
विज्ञापन बुक करें : 9928022718 9829329070